mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-146 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

29 मई 2025 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

ऋषभ पंत का ...

@ पेज 7

सर्वदलीय डेलिगेशन में शामिल गुलाम नबी आजाद की बिगड़ी तबीयत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुलाम नबी आजाद ने सोशल मीडिया के जरिए अपने बीमार होने का कारण बताया। साथ ही लोगों को शुभकामना के लिए शुक्रिया भी कहा है। आजाद जिस डेलिगेशन का हिस्सा हैं उसका नेतृत्व बीजेपी

● पूर्व केंद्रीय मंत्री आजाद को अस्पताल में भर्ती कराया गया

सांसद बैजयंत पांडा कर रहे हैं। उन्होंने भी आजाद के सेहत से जुड़ी जानकारी दी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए खाड़ी देशों की यात्रा पर गए सर्वदलीय डेलिगेशन में शामिल पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद को अस्पताल में भर्ती

कराया गया है। वह अब डॉक्टरों की निगरानी में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजाद को फोन करके उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद को मंगलवार को कुवैत के सर्वदलीय डेलिगेशन के दौरे के दौरान बीमार पड़ गए जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गुलाम नबी आजाद ने सोशल मीडिया के जरिए अपने बीमार होने का कारण बताया। साथ ही लोगों को शुभकामना के लिए शुक्रिया भी कहा है। आजाद ने ङ्क पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने लिखा, %%कुवैत में भीषण गर्मी के कारण मेरी सेहत पर असर पड़ने के बावजूद, अल्लाह के करम से मैं ठीक हूं और मेरी हालत में सुधार हो रहा है। सभी जांच के नतीजे सामान्य हैं। आप सभी की चिंता और दुआओं के लिए शुक्रिया। यह वास्तव में मेरे लिए बहुत मायने रखता है। बता दें कि गुलाम नबी आजाद जिस डेलिगेशन का हिस्सा हैं उसका नेतृत्व बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने ङ्क पर तस्वीरें शेयर करते हुए आजाद की सेहत के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था, ÷हमारे प्रतिनिधिमंडल के दौरे के बीच में ही गुलाम नबी आजाद को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। उनकी हालत स्थिर है, वे मेडिकल सुपरविजन में हैं और कुछ टेस्ट करवाए जाएंगे। बहरीन और कुवैत में हुई मीटिंग में उनका योगदान बहुत प्रभावशाली था और वे बिस्तर पर पड़े होने से निराश हैं। सऊदी अरब और अल्जीरिया में उनकी मौजूदगी हमें बहुत याद आएगी।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में भारतीय पत्रकारों से डरी 'ओली सरकार'

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में भारतीय पत्रकारों की निष्पक्ष और निडर रिपोर्टिंग से प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार घबरा गई है। लिहाजा सरकार ने नेपाल में भारतीय मीडिया के स्थायीन पत्रकारों के पास को तत्काल प्रभाव से निर्लंबित कर दिया है। बता दें कि 29 मई से काठमांडू में राजतंत्र के पक्ष में एक बार फिर से शुरू होने जा रहे अनिश्चितकालीन हड़ताल को देखते हुए नेपाल सरकार ने यह कदम उठाया है। इसमें भारत सहित विदेशी मीडिया के पत्रकारों को ग्राउंड पर जाकर रिपोर्टिंग करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश जारी किया गया है कि नेपाल आकर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को सरकार से अनुमति मिलने के बाद ही रिपोर्टिंग कर सकेंगे। प्रेस काउंसिल नेपाल की तरफ से एक बयान जारी करते हुए विदेशी पत्रकारों के नेपाल आकर रिपोर्टिंग करने पर रोक लगाने की जानकारी दी गई है। वैसे तो कहने के लिए इस बयान में विदेशी मीडिया लिखा गया है, लेकिन यह प्रतिबंध भारतीय मीडिया में काम करने वाले पत्रकारों को लक्षित कर

लगाया गया है। प्रेस काउंसिल के बयान में यह भी कहा गया है कि नेपाल में होने वाले विरोध प्रदर्शन को अतिरंजित तरीके से दिखाने वाले पत्रकारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की हिदायत दी गई है। बता दें कि नेपाल के सूचना तथा संचार मंत्रालय के अधीन रहे सूचना विभाग के द्वारा जिन भारतीय न्यूज चैनलों के स्थानीय प्रतिनिधियों को प्रेस पास दिया गया था उन्हें या तो निर्लंबित कर दिया गया है या फिर उन्हें रिन्यू नहीं किया गया है। ताकि नेपाल से उन्हें रिपोर्टिंग करने से रोका जा सके। नेपाल में चल रहे राजतंत्र समर्थक प्रदर्शन को उसके संविधान के खिलाफ होने की बात कहते हुए पिछले दिनों विदेशी अर्थात भारतीय मीडिया के रिपोर्टिंग में संविधान के विपरीत एकपक्षीय रूप से शासन व्यवस्था के विरोध में खबर दिखाने पर ओली सरकार ने अपनी आपत्ति भी दर्ज की है।

हमास का टॉप कमांडर मोहम्मद सिनवार मारा गया

देर अल-बलाह (गाजा पट्टी) (एजेंसी)। गाजा में हमास की गतिविधियों को संचालित करने वाला मोहम्मद सिनवार को इजरायल की सेना ने मार गिराया है। इसकी पुष्टि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने की है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को ऐलान किया कि हमास के गाजा प्रमुख मोहम्मद सिनवार को इजराइल की सेना ने मार गिराया है। 14 मई को इजरायल द्वारा किए गए बड़े हवाई हमले में हमास प्रमुख के गंभीर रूप से घायल होने की खबरें थीं। उस समय इजराइल डिफेंस फोर्स यह पुष्टि करने की स्थिति में नहीं था कि हमले में मोहम्मद सिनवार मारा गया है या नहीं। लेकिन अब उसके मारे जाने की पुष्टि हो गई है और खुद इजरायल के पीएम ने इसका ऐलान भी कर दिया गया है।

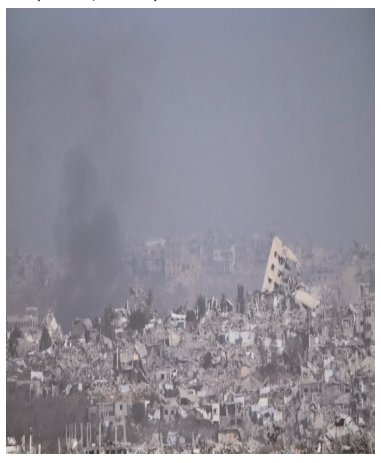

मुहम्मद सिनवार पूर्व हमास प्रमुख याह्या सिनवार का भाई था जिसे अक्टूबर 2024 में इजरायल डिफेंस फोर्स ने मार गिराया था। गाजा में हमास के आखिरी बचे कुछ कमांडर्स में से एक मुहम्मद सिनवार एक बंकर में छिपा हुआ था जिसे आतंकवादी समूह हमास एक कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। इजरायल डिफेंस फोर्स ने 14 मई को एक ड्रोन के जरिए मोहम्मद सिनवार के ठिकाने पर हमला किया और उसे नष्ट कर दिया। इस हमले में बुरी तरह से घायल सिनवार को खान यूनिस के यूरोपीय अस्पताल में ले जाया गया था।

'भारत संतों और ऋषियों की भूमि, संत और ऋषि करते हैं सही मार्गदर्शन'

ओरछा (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि भारत संतों, ऋषियों और मनीषियों की भूमि है। संत और ऋषि हमें जीवन जीने का सही रास्ता दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे मद्जगतगुरु राजेन्द्र दास जी महाराज धाम वृन्दावन के दर्शन प्राप्त हुए हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल निवाड़ी जिले के प्रवास के दौरान कनक भवन मंदिर, भक्तमाली आश्रम ओरछा में मद्भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने कथावाचक मद्जगतगुरु राजेन्द्र दास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने उपस्थित जनों से गौसेवा और गौपूजन के महत्व पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि गौ पूजन भारतीय धर्म, संस्कृति और जीवनदृष्टि का मूल आधार है। यह केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि समस्त प्राणीमात्र के प्रति करुणा, सहअस्तित्व और प्रकृति-मैत्री के भाव का प्रतीक है। विधायक निवाड़ी अनिल जैन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बिहार पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम हादसे का शिकार

एमपी के रतलाम में गाड़ी पलटने से एसआई और कांस्टेबल की मौत

रतलाम (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में रतलाम जिले के ऐटलेन इलाके में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें बिहार पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम हादसे का शिकार हो गई। टीम जिस स्कार्पियो वाहन में सवार थी, वह अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक सब-इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में मुकुंद मुरारी (सब-इंस्पेक्टर) और विकास कुमार (कांस्टेबल) की जान चली गई। चार अन्य पुलिसकर्मियों को तुरंत रतलाम मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। सूचना मिलने पर औद्योगिक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन तेज रफ्तार में था और अचानक बैलेंस बिगड़ जाने के कारण पलट गया। रतलाम पुलिस अधीक्षक अमित कुमार स्वयं मेडिकल

कॉलेज पहुंचे और घायलों से मुलाकात कर इलाज की जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में कोई कसर न छोड़ी जाए।

जानकारी के अनुसार, बिहार पुलिस की एसओजी की टीम गुजरात के गांधीधाम में एक अपराधी को पकड़ने जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो रतलाम के पास आठ लेन वाले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर पलट गया। इस दुर्घटना में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए।

अनुष्का के भाई ने लालू परिवार को दी चेतावनी

बिहार (एजेंसी)। तेज प्रताप यादव और अनुष्का यादव के रिलेशनशिप का मामला बढ़ता जा रहा है। अनुष्का यादव के भाई आकाश यादव ने कहा कि बहन के सम्मान के लिए लड़ रहा हूं। तेजस्वी यादव के समर्थक तेज प्रताप को पागल घोषित करने में लगे हैं। अनुष्का के परिवार की तरफ से पोस्ट नहीं हुआ है। लालू यादव अपने बड़े बेटे से बात करें। आकाश यादव ने कहा कि लालू यादव के घर में बाहरी लोगों का दखल है। परिवार को खत्म करने में बाहरी लोग लगे हैं। लालू यादव बाहरी लोगों के बहकावे में न आएं। मैं तेज प्रताप के साथ हमेशा खड़ा हूं। अनुष्का के भाई ने लालू परिवार को चेतावनी दी कि अगर बहन की इज्जत उछली तो बेनकाब कर दूंगा।

आकाश यादव ने कहा, ÷सबसे पहले कोर्ट और जांच की मांग राष्ट्रीय जनता दल उर्फ राष्ट्रीय जाहिल दल को करनी चाहिए कि इतने बड़े नेता की आईडी हैक हो गया और ये कोर्ट और कानून जाने के लिए हमको कह रहे हैं। थोड़ा संयम रखकर, इंसानियत को जगाकर, सत्ता लालच से बाहर निकलकर, तेजस्वी यादव की चमचई करने से बाहर निकल कर मानवता की बात करनी चाहिए। ये एक यादव परिवार का नहीं, बल्कि पूरे यावद समाज की बदनामी हो रही है।

पत्नी का आरोप- 'पति ने दिया ट्रिपल तलाक, चल रहा अफेयर'

दिल्ली के वसंत कुंज में हाई वोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में ट्रिपल तलाक का मामला सामने आया है। एक महिला ने अपने पति पर तीन बार तलाक-तलाक-तलाक बोलकर उसे तलाक देने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि उसके पति का किसी दूसरी महिला के साथ संबंध है और जब उसने अपने पति को पकड़ा तो उसके पति ने ट्रिपल तलाक के जरिए उसे तलाक दे दिया। महिला ने इस पूरे मामले की शिकायत दिल्ली पुलिस से की है, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पीड़ित पत्नी ने आरोप लगाते हुए अपनी शिकायत में कहा, मेरी शादी 12 अक्टूबर 2014 को मुस्लिम रीति रिवाज के साथ अतहर अंजुम के साथ हुई थी। शादी के बाद मेरे पति ने मेरे साथ कई बार मारपीट की। 26 मई 2025 को अतहर, घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा और 2 अनजान औरतों को अपने साथ लाया। अतहर के कहने पर इनमें से एक अज्ञात औरत ने मुझे बहुत मारा। अतहर ने मुझे जान से मारने की धमकी दी और मेरे बच्चे छीनने की धमकी देता है।पीड़ित पत्नी ने अपनी शिकायत में कहा, 18 मई 2025 को मुझे पता लगा कि मेरे पति अतहर का अंजली दुबे नाम की लड़की से अफेयर है। जब मैं अंजली दुबे के पते पर पहुंची तो अतहर वहां मौजूद था और उसने कहा कि उसका अंजली से अफेयर चल रहा है। इस दौरान अतहर ने मुझे ट्रिपल तलाक दे दिया।

देश में अबतक कोरोना के 1010 एक्टिव केस

केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली में सक्रिय मामलों की संख्या ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना वायरस से संक्रमित सक्रिय मामले 1,010 हैं। आंकड़ों के अनुसार, केरल और महाराष्ट्र सबसे गंभीर रूप से प्रभावित राज्यों में से एक हैं। मामलों में यह वृद्धि दो नए उप-वेरिएंट - एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 - का पता लगने के साथ हुई है, जिनकी वर्तमान में वैश्विक स्वास्थ्य प्राधिकरण निगरानी कर रहे हैं। भारत सहित सिंगापुर, चीन, थाईलैंड और हांगकांग जैसे अन्य दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में भी कोविड के मामलों में वृद्धि देखी गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी किए गए राज्यवार आंकड़ों के अनुसार, केरल और महाराष्ट्र में कोरोनावायरस के मामलों में सबसे ज़्यादा वृद्धि देखी गई है। केरल में 430 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 335 नए हैं। इस बीच, महाराष्ट्र में 154 नए संक्रमण के साथ 210 मामले सामने आए

हैं। दिल्ली 99 नए मामलों के साथ तीसरे स्थान पर है, जिससे कुल मामलों की संख्या 104 हो गई है। गुजरात, कर्नाटक, हरियाणा और अन्य राज्यों में भी कोविड-19 के मामलों में वृद्धि देखी गई है।

सोमवार को, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण-डोंबिवली नगर निकाय में कोविड-19 के कारण पहली मौत की सूचना मिली, जिसमें एक महिला की इलाज के दौरान वायरस से मौत हो गई। राज्य के कुछ हिस्सों में मामलों में वृद्धि के बाद नगर निगम सीमा के भीतर चार कोविड-19 संक्रमित मरीज पाए गए। इनमें से एक महिला की मौत हो गई, दूसरे मरीज को मध्यम लक्षणों के साथ इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई, तीसरे मरीज का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है और चौथे मरीज को आगे की देखभाल के लिए कलवा के छत्रपति शिवाजी अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया है।

'बीजेपी की पब्लिसिटी स्टंट के प्रवक्ता बने शशि थरूर'

पनामा में दिए भाषण पर भड़के कांग्रेस नेता उदित राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के सांसद शशि थरूर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विदेशों में भेजे गए सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं और विदेशों में आतंकवाद के खिलाफ भारत की बात दुनिया के मंचों पर पुरजोर तरीके से रख रहे हैं। आतंकवाद को लेकर भारत के बदले हुए रुख से दुनिया को परिचित करा रहे हैं। इसी कड़ी में वे पनामा सिटी पहुंचे जहां उन्होंने अपने भाषण में आतंकवाद को लेकर बदले हुए रुख की बात की थी। लेकिन शशि थरूर का यह संबोधन अब कांग्रेस को ही खलने लगा है। कांग्रेस नेता उदित राज ने आरोप लगाया है कि शशि थरूर बीजेपी के लोगों से ज्यादा नरेंद्र मोदी का गुणगान कर रहे हैं। वे बीजेपी की पब्लिसिटी स्टंट के प्रवक्ता बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों को हाल के वर्षों में एहसास हो गया है कि उन्हें इसकी कीमत

चुकानी पड़ेगी। शशि थरूर ने कहा कि हम लगभग चार दशकों से लगातार हमले झेल रहे हैं। यह स्वीकार्य नहीं है कि हम दर्द, दुख, घाव, नुकसान सहते रहें और फिर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से जाकर कहें कि देखो हमारे साथ क्या हो रहा है। कृपया हमारी मदद करें। कृपया अपराधियों की पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए अपराधियों पर दबाव डालें।

2008 के मुंबई आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ÷हमारे पास सारे सबूत थे। हमने एक आतंकवादी को जिंदा भी पकड़ा। अजमल कसाब को जिंदा पकड़ने के लिए एक बहुत बहादुर पुलिसकर्मी ने अपनी जान दे दी। उसकी पहचान की गई, उसके घर, उसके पते, पाकिस्तान में उसके गांव की पहचान की गई। उन्होंने कहा कि न केवल भारत, बल्कि पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के पास मुंबई में हत्यारों को रोजाना मिनट-दर-मिनट निर्देश देने वाले पाकिस्तानी हैंडलर्स की डरावनी आवाज की रिकॉर्डिंग थी। सारे सबूत जमा किए गए और डोजियर तैयार किए गए। क्या हुआ? दोषी ठहराए जाने की बात तो दूर क्या एक भी व्यक्ति पर मुकदमा चलाया गया ? जवाब है नहीं। दुख की बात है कि पाकिस्तान ने आतंक को बढ़ावा देने की नीति अपनाई है। थरूर ने कहा कि हाल के वर्षों में जो बदलाव आया है, वह यह है कि आतंकवादियों को भी एहसास हो गया है कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। इस पर, कोई संदेह नहीं होना चाहिए। जब पहली बार भारत ने सितंबर 2015 में उरी में सर्जिकल स्ट्राइक करके भारत और पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा का उल्लंघन किया था। यह पहले से ही कुछ ऐसा था जो हमने पहले कभी नहीं किया था।÷

ओडिशा के बहुचर्चित पार्सल बम कांड में पूर्व प्रिंसिपल को उम्रकैद

पटनागढ़ (एजेंसी)। ओडिशा के बहुचर्चित पटनागढ़ पार्सल बम कांड में आखिरकार 8 साल बाद इंसाफ मिल गया है। इस खौफनाक घटना के मुख्य आरोपी और पूर्व कॉलेज प्रिंसिपल पुंजीलाल मेहर को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पटनागढ़ के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने यह फैसला सुनाया है। यह मामला साल 2018 में सामने आया था, जब शादी के कुछ ही दिनों बाद एक नवविवाहित जोड़े के घर

पार्सल के रूप में मौत पहुंची थी। 26 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर सौम्यशेखर साहू और उनकी 85 साल की दादी जेमामणि साहू की इस बम धमाके में मौत हो गई थी। जबकि सौम्य की पत्नी रीमा रानी गंभीर रूप से झुलस गई थीं। यह घटना उस वक्त हुई जब परिवार ने एक पार्सल को शादी का गिफ्ट समझकर खोला। लेकिन गिफ्ट बॉक्स में छिपा बम फट गया और पूरे घर में तबाही मच गई। शादी का जश्न एक झटके में मातम में बदल गया। जांच में सामने आया कि यह हमला किसी बाहरी आतंकी संगठन या अपराधी द्वारा नहीं, बल्कि खुद ज्योति विकास विकास जूनियर कॉलेज पूर्व कॉलेज प्रिंसिपल पुंजीलाल मेहर द्वारा प्लानिंग के तहत किया गया था।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को देंगे इंदौर मेट्रो की सौग़ात

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर एक नये युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शनिवार 31 मई, 2025 को भोपाल से वर्चुअली इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर यात्री सेवा का शुभारंभ करेंगे। यह लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा येलो लाइन का सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर है। इसमें पाँच स्टेशन गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 5 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 4 स्टेशन और सुपर कॉरिडोर 3 स्टेशन शामिल हैं। यह कॉरिडोर ट्रैफिक और प्रदूषण कम करेगा, साथ ही यात्रियों को आरामदायक सफर प्रदान करेगा। सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि इंदौर की आधुनिकता की ओर बढ़ती दिशा का प्रतीक भी है। इंदौर में कुल 31.32 किलोमीटर लम्बाई का मेट्रो प्रोजेक्ट है। प्रोजेक्ट में 22.62 किलोमीटर एलेवेटेड एवं 8.7 किलोमीटर भूमिगत मेट्रो है। मेट्रो की येलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे, जो शहरी यात्रा को आसान, तेज़ और पर्यावरण के अनुकूल बनायेंगे। मेट्रो के 31.32 किलोमीटर के सम्पूर्ण प्रोजेक्ट की लागत लगभग 7 हजार 500 करोड़ रूपये है। प्रारंभिक तौर पर 6 किलोमीटर के कॉरिडोर का उद्घाटन किया जा रहा है इसकी लागत लगभग 1520 करोड़ रूपये है। यह परियोजना इंदौर को एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अलीराजपुर के बड़ागुड़ा में आरडीएसएस अंतर्गत 70वां बिजली ग्रिड ऊर्जीकृत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत इंदौर संभाग के अलीराजपुर जिले के बड़ागुड़ा ग्राम में बना 70वें सब स्टेशन (ग्रिड) को ऊर्जीकृत कर दिया गया है। आरडीएसएस अंतर्गत बने 33/11 केवी के 5 एमवीए क्षमता के 70 ग्रिड से कुल वितरण क्षमता में 350 मेंगा वोल्ट एमपीयर की बढ़ोत्तरी हो चुकी है। योजना में मालवा और निमाड़ में बिजली वितरण क्षमता का औद्योगिक क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, आबादी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र में विस्तार किया जा रहा है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि बड़ागुड़ा का ग्रिड 5 एमवीए क्षमता का तैयार कर ऊर्जीकृत किया गया है। लगभग 1.86 करोड़ रूपए की लागत के इस ग्रिड से हजारों ग्रामीण बिजली उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता के साथ बिजली मिलेगी। आरडीएसएस अंतर्गत सबसे ज्यादा इंदौर जिलें में 9 और उज्जैन में 10 स्थानों पर ग्रिड तैयार किए गए हैं। आरडीएसएस में ग्रिडों के साथ ही केबल, ट्रांसफार्मर, पोल, तार, केपिसिटर बैंक इत्यादि के कार्य भी गुणवत्ता के साथ कराए गए हैं इससे उपभोक्ता सेवाओं में बढ़ोत्तरी के साथ ही लाइन लॉस में कमी आ रही है।

मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर जागरूकता कार्यशाला आज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मासिक धर्म से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने एवं इस अवधि में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए बुधवार, 28 मई को मासिक धर्म स्वच्छता दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, पत्रकार कॉलोनी लिंक रोड - 3 में आयोजित कार्यशाला में वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ., प्रिया भावे चित्तावर एवं वरिष्ठ आहार विशेषज्ञ डॉ.अमिता सिंह द्वारा स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण पर जानकारी दी जाएगी।

एमएसएमई क्षेत्र को नई ऊंचाईयों पर ले जाने और संभाव्य लस्टरों को कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर की तरह सुविधाएं दिलाने के प्रयास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए नई नीतियों के निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और संभाव्य क्लस्टरों को कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर की तरह सुविधाएं दिलाने के प्रयास हो रहें है। मंत्री श्री काश्यप आज मंत्रालय वल्लभ भवन में विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि गत वित्त वर्ष में विभाग का बजट 700 करोड़ रूपये का था, लेकिन मुख्यमंत्री के सहयोग से विभाग को 2100 करोड़ रुपये मिले, जिससे अनुदान सहायता की सभी लंबित देनदारियों का भुगतान संभव हो पाया। नव उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए नई स्टार्ट अप नीति में उद्योग लगाने का विचार आने से लेकर उसे धरातल पर उतारने तक उद्यमियों को वित्तीय और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। भारत सरकार के पोर्टल पर पंजीयन स्वीकृत

होने पर नव उद्यमी को 10,000 रूपये प्रतिमाह की सहायता एक साल तक उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। यही नहीं माल निर्यात हेतु परिवहन व्यय पर अनुदान का प्रावधान भी किया गया है। प्रदेश में नए औद्योगिक क्षेत्रों/क्लस्टरों के निर्माण और विकास के प्रयासों में तेजी लाई गई हैं। इन पर मिलने वाले अनुदान का युक्तियुक्तकरण किया गया है, जिससे अनुदान में एकरूपता आई है। जबलपुर के रेडीमेड गारमेंट और छतरपुर के फर्नीचर क्लस्टर का उल्लेख करते हुए श्री काश्यप ने कहा कि वर्तमान में केन्द्र सरकार से वर्तमान क्लस्टरों में कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर की जो सहायता मिलती है, वह संभावना वाले क्लस्टरों को नहीं मिलती है। हम प्रयास कर रहे हैं कि संभावना वाले क्लस्टरों को भी यह सुविधा मिल सके। खिलौना उद्योग के क्षेत्र में उन्होंने आक्रामकता और हिन्सक प्रवृत्ति को वढ़ावा देने वाले खिलौने के निर्माण को हतोत्साहित कर सकारात्मक रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाले खिलौने के निर्माण को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। सामाजिक सुधार के लिए यह जरूरी है। बैठक में यह विषय पूर्व मंत्री श्री ओम प्रकाश सखलेचा ने उठाया, उनका यह कहना था कि बच्चों में आक्रामकता फैलाने वाले खिलौनों के कारण हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है इसे रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाना जरूरी है।

श्री सखलेचा ने विभागीय उपलब्धियों की सराहना करते हुए श्री काश्यप और अधिकारियों को बधाई दी। बैठक में देवास की विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार भी उपस्थित थीं। मंत्री श्री काश्यप के उद्बोधन से पूर्व एमएसएमई विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र सिंह और सचिव दिलीप कुमार ने विभागीय उपलब्धियों एवं भविष्य की कार्ययोजना पर प्रजेन्टेशन दिया।

सेटेलाइट से होगी खनिजों के अवैध उत्खनन की निगरानी- प्रमुख सचिव उमराव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में खनिजों के अवैध उत्खनन पर नियंत्रण के लिये सेटेलाइट (उपग्रह) आधारित खनन निगरानी प्रणाली विकसित की गयी है। प्रमुख सचिव खनिज श्री उमाकांत उमराव ने सेटेलाइट (उपग्रह) आधारित खनन निगरानी प्रणाली को लागू किये जाने के संबंध में जिला कलेक्टर्स को आदेश जारी कर दिये हैं। प्रमुख सचिव श्री उमराव ने बताया कि इस व्यवस्था के अंतर्गत प्रदेश की समस्त खदानों को जियो टैग किया गया है तथा इसे पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है। विभाग द्वारा निर्मित पोर्टल पर क्लिक कर एक्सेस किया जा सकता है। प्रमुख सचिव ने बताया कि इस पोर्टल से सेटेलाइट के माध्यम से अवैध उत्खनन की पहचान कर एलर्ट्स जारी किये जा रहे हैं, जिसे पोर्टल पर जिला कलेक्टर एवं जिला खनिज अधिकारी द्वारा लॉग इन कर देखा जा सकता है।

लॉग इन की जानकारी पृथक से विभागीय ई-मेल आईडी में दी गयी है। जिला कलेक्टर एवं खनिज अधिकारी को एलर्ट की जानकारी एसएमएस द्वारा प्रत्येक माह पोर्टल के माध्यम से दी जायेगी। जिले के अंतर्गत जारी किये गये एलर्ट मैप पर चिन्हित रहेंगे, जिनका अन्य स्थापित खदानों, जियो लॉजिकल लेयर एवं खसरे की जानकारी के आधार पर परीक्षण किया जा सकता है। जारी किये गये एलर्ट को खनिज अधिकारी द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन कर मोबाइल ऐप के माध्यम से वेरीफाई किया जायेगा। फील्ड वेरिफिकेशन के बाद अवैध उत्खनन पाये जाने पर मध्यप्रदेश अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण नियम-2022 के अंतर्गत कार्रवाई की जायेगी।

पोर्टल के संबंध में वीसी के माध्यम से समस्त जिला कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। प्रमुख सचिव खनिज द्वारा जिला कलेक्टर्स को सेटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली का जिले में तत्परता से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा अवैध उत्खनन पाये जाने पर परिवहन एवं भण्डारण नियम के अंतर्गत कार्यवाही करने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं।

मंदिर में अर्पित फूलों और बेलपत्रों से स्थानीय महिलायें हो रहीं आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले का पवित्र तीर्थ स्थल, श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में आध्यात्मिकता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अनूठा कदम उठाया गया है। श्री ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट ने जिला प्रशासन और पुष्पांजलि इकोनिर्मित के सहयोग से मंदिर में अर्पित फूलों और बेलपत्रों के पुनर्चक्रण की एक अभिनव पहल शुरू की है, जो न केवल स्वच्छता को बढ़ावा दे रही है, बल्कि स्थानीय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रतिदिन मंदिर में भक्तों द्वारा चढ़ाए जाने वाले फूलों और अन्य पूजन सामग्री को अब बेकार नहीं जाने दिया जाता। ट्रस्ट द्वारा इन फूलों को एकत्रित कर स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों के हाथों में सौंपा जा रहा है। ये इन फूलों को मूल्यवर्धित उत्पादों में बदल रही हैं।

पुष्पांजलि इकोनिर्मित संस्था इन महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण, मशीनें और आवश्यक सहयोग प्रदान कर रही है।

इससे वे अगरबत्ती, धूपबत्ती, हवन सामग्री, प्राकृतिक जैविक खाद और प्राकृतिक रंग जैसे उत्पाद तैयार कर रही हैं। स्व-सहायता समूह के यह उत्पाद न केवल मंदिर परिसर में, बल्कि स्थानीय बाजारों में भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिससे इन महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है। मंदिर में चढ़ावे के फूलों को भगवान का प्रसाद मानकर उपयोगी संसाधन में बदलकर यह मॉडल स्वच्छ भारत मिशन को भी सशक्त रूप से समर्थन दे रहा है।

श्री ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट के इस प्रयास को जिला प्रशासन का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त है। यह साझेदारी न केवल पर्यावरण की रक्षा कर रही है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है।

यह मॉडल तीर्थ स्थल पर आस्था, पर्यावरण और आत्मनिर्भरता के संगम को दर्शाता है। श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग अब केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि एक ऐसा उदाहरण बन रहा है जो यह साबित करता है कि आस्था और पर्यावरण संरक्षण एक साथ चल सकते हैं। इस राह पर चलकर महिलाएं समाज की नई शक्ति बनकर उभर रही हैं।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचायें और 25 हजार रूपये पायें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सड़क दुर्घटनाओं में होनी वाली मृत्युदर में कमी लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गत केबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार राह-वीर योजना शुरू की गई है। योजना की गाईड लाईन जारी कर दी गई है। गाईड लाईन के अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर (दुर्घटना से एक घंटे के भीतर का समय) में अस्पताल पहुंचाने वाले राह-वीर को 25 हजार रूपये की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा।

इसके साथ ही चुने हुए राह-वीरों में से सबसे योग्य 10 राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपये पुरस्कार स्वरूप दिये जायेंगे।कोई भी व्यक्ति जो मोटर यान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल/ट्रामा केयर सेंटर तत्परता से पहुँचाकर जान बचाता है ऐसे सभी व्यक्ति राह-वीर योजना के लिए पात्र होंगे। गोल्डन ऑवर अर्थात दुर्घटना होने के एक घंटे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना है। कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा पुलिस थाना, अस्पताल/ट्रामा केयर सेंटर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। इसकी प्रति संबंधित राह-वीर को भी भेजी जाएगी। मूल्यांकन समिति में संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट, एसएसपी, सीएमएचओ, आरटीओ (परिवहन विभाग) शामिल होंगे। ये समिति मासिक आधार पर प्रस्तावों की समीक्षा कर उन्हें मंजूरी देगी। चुने हुए राह वीर को राज्य परिवहन आयुक्त द्वारा सीधे बैंक खाते में प्रोत्साहन राशि का अंतरण किया जाएगा। राज्य स्तर पर इसकी निगरानी के लिए प्रमुख सचिव (गृह) की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय निगरानी समिति बनाई जाएगी। जो हर तीन महीने में योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में सामाजिक न्याय की भागीदारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा ऐसी महिलाएं जो आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर हैं, उन्हें आर्थिक और सामाजिक संबल प्रदान कर नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभा रहा हैं। विभाग की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य नारी को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। विशेष रूप से निर्धन परिवारों की कन्याओं और विधवा महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह सहायता योजना और मुख्यमंत्री कल्याणी (विधवा) विवाह सहायता योजना इसके सशक्त उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की कन्याओं के विवाह के लिये 55,000 रूपये की सहायता राशि दी जाती है। इस योजना के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 43,532 कन्याओं को लाभ मिला, जो सामाजिक सुरक्षा एवं नारी गरिमा को बढ़ावा देता है।

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना, विधवा महिलाओं के पुनर्विवाह को सामाजिक स्वीकृति प्रदान करती है।

तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी प्रचार रथ को हरी दिखाई झंडी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को भोपाल स्थित सरदार वल्लभ भाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय से, रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में शत-प्रतिशत प्रवेश के संबंध में प्रचार-प्रसार एवं विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से तैयार प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ 10वीं पास विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होंगे।

यह प्रचार रथ, भोपाल शहर एवं आस-पास के गांवों में तकनीकी शिक्षा अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश की प्रक्रिया एवं अन्य जानकारियों से विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को अवगत कराएगा।

ज्ञातव्य है कि संचालनालय तकनीकी शिक्षा द्वारा सत्र 2025-26 के लिए तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है।

इस अवसर पर आयुक्त तकनीकी शिक्षा श्री अवधेश शर्मा सहित विभिन्न अधिकारीगण, महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

टोल प्लाज़ा संचालन से समूह की महिलाओं ने बढ़ाया आत्म-निर्भरता की ओर कदम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नारी सशक्तिकरण देश और प्रदेश की समृद्धि का आधार है। महिलाएँ आत्म-निर्भर बनती हैं, तो सम्पूर्ण समाज और देश-प्रदेश सशक्त और समृद्ध बनता है। केन्द्र एवं राज्य सरकार निरंतर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में नवाचार कर रही है। इससे महिलाएँ आत्म-निर्भरता की राह पर अग्रसर हैं। नारी सशक्तिकरण की प्रतीक ये नायिकाएँ अपने परिवार का आर्थिक संबल बन रही हैं और साथ ही समाज के लिये प्रेरणा-स्रोत भी बन रही हैं। समाज में महिलाओं की भूमिका को नया आयाम मिल रहा है। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी है आगर-मालवा जिले के ज्योति स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों की, जिन्होंने टोल प्लॉजा संचालन जैसा कार्य जो पारम्परिक रूप से पुरुष प्रधान कार्य है, इसकी जिम्मेदारी सरकार ने महिला समूह को सौंपी हैं। महिला समूह ने अपनी कार्य-कुशलता से डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में एक करोड़ 13 लाख रुपये से अधिक का शुल्क संग्रह कर कीर्तिमान स्थापित किया है और उन्होंने अपने समन्वय प्रबंधन क्षमता की मिसाल पेश की है। स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती राजूबाई ने इस ऐतिहासिक अवसर एवं विश्वास के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार माना है।

मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2023 में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी निर्णय लेते हुए पहली बार महिला स्व-सहायता समूह को टोल प्लॉजा संचालन की जिम्मेदारी सौंपी थी। शाजापुर-दुपाड़ा-नलखेड़ा मार्ग पर चाचाखेड़ी गाँव में स्थित इस टोल प्लॉजा का पूरा प्रबंधन ज्योति महिला स्व-सहायता समूह को सौंपा गया। समूह की महिला सदस्य इस जिम्मेदारी अपने समन्वय एवं प्रबंधन क्षमता, दृढ़ इच्छा-शक्ति और अनुशासित कार्यशैली से सरकार और आमजन का विश्वास जीता है। ज्योति महिला स्व-सहायता समूह को यह जिम्मेदारी 2 सितम्बर, 2023 को एक वर्ष के लिये सौंपी गयी थी। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम ने समूह के उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए टोल संचालन के अनुबंध को एक सितम्बर, 2025 तक के लिये बढ़ाया है। ज्योति महिला स्व-सहायता समूह द्वारा पहले कार्यकाल में टोल प्लॉजा के माध्यम से एक करोड़ 13 लाख 54 हजार रुपये से अधिक का शुल्क संग्रह किया गया है। इसमें से समूह को 30 प्रतिशत कमीशन के साथ समूह की 15 सदस्यों को प्रतिमाह 9 हजार रुपये की नियमित आमदनी भी हो रही है। ज्योति महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती राजूबाई ने कहा कि इस पहल से वह और उनकी साथी सदस्य आर्थिक रूप से सशक्त बनी हैं। समूह की सफलता प्रदेश के स्व-सहायता महिला समूह के लिये एक प्रेरणा-स्रोत बन गयी है।

कृषि उद्योग समागम में हो रहा आधुनिक तकनीकों और नवाचारों का भव्य प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में किसानों को आत्मनिर्भर और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में किये जा रहे अभिनव प्रयासों की श्रृखला में तीन दिवसीय 'कृषि उद्योग समागम' किसानों के लिए जानकारियों का महकुंभ सिद्ध हो रहा है। समागम के दूसरे दिन मंगलवार को कृषि से संबंधित नवीनतम यंत्रों, तकनीकों, बीजों और योजनाओं का व्यापक प्रदर्शन किया गया।

साथ ही कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के वैज्ञानिकों ने जैविक खेती, कीट प्रबंधन, उन्नत बीज और मशीनों के उपयोग पर किसानों को विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञों ने पशुपालन, मृदा परीक्षण, जैव उर्वरक जैसे विषयों पर भी किसानों का मार्गदर्शन किया। नरसिंहपुर की कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने बताया कि मेले में 90 से अधिक विभागीय स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें ड्रोन तकनीक, एआई युक्त कृषि उपकरण, पॉवर स्प्रेयर, नैनो फर्टिलाइजर, जैविक उत्पाद और आधुनिक यंत्र किसानों को आकर्षित कर रहे हैं। 'कृषि उद्योग समागम' में एमपी स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने मवेशियों के लिए केटर डिंकिंग वाटर टेंकर, मोबाइल जीआई वाटर प्यूरिफायर, और मैकेनाइज्ड ग्रेन सेग्रेगेशन सिस्टम जैसे उन्नत यंत्र प्रदर्शनी में रखे गए हैं। तीर्थ एग्रीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड, गुजरात की राउंड बेलर, स्मार्ट प्लांटर, सुपर सीडर, थ्रेशर आदि मशीनें किसानों के आकर्षण का केन्द्र बनी हुई हैं। कृषि गति, पुणे के स्टॉल पर प्रदर्शित इलेक्ट्रिक बैल भी किसानों का कौतूहल बढ़ा रहा है। इससे बुआई, निदाई और कीटनाशक छिड़काव किया जा सकता है। किसानों को प्रमाणित, उन्नत बीजों की जानकारी देने के लिये कुशवाहा बीज भंडार, नरसिंहपुर सहित कई स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉल्स पर हजारों किसानों ने जानकारी ली और बीजों की खरीद भी की। गाडरवारा के किसान श्री विजय पाल ने प्रदर्शनी में आम की विभिन्न प्रजातियों (राजापुरी, लंगड़ा, दशहरी, गोल्डन केसर आदि) रखे हैं।

धामनोद नगर में एशियन डेवलपमेंट बैंक की सहायता से सीवरेज योजना प्रगति पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। धार जिले के धामनोद नगर परिषद में एशियन डेवलपमेंट बैंक की वित्तीय सहायता से 81 करोड़ 42 लाख रूपये की लागत से एक व्यापक सीवरेज योजना का कार्य प्रगति पर है। इस योजना के अंतर्गत नगर की सीवरेज व्यवस्था को वैज्ञानिक एवं टिकाऊ तरीके से विकसित किया जा रहा है, जिसमें 6.68 मिलियन लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला एक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट होगा। यह प्लांट 80.67 किलोमीटर का सीवरेज नेटवर्क का होगा। इसमें एक मुख्य पंपिंग स्टेशन, दो मध्यवर्ती पंपिंग स्टेशन तथा 3 हजार 379 घरेलू सीवरेज कनेक्शन सम्मिलित हैं। धामनोद नगर परिषद की यह योजना मई 2023 को आरंभ हुई थी और सितंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में योजना की भौतिक प्रगति 55.60त्न तथा वित्तीय प्रगति 45.60त्न तक पहुँच चुकी है, जो कि निर्धारित समय सीमा के अनुसार संतोषजनक है।इस योजना के अंतर्गत जैसे ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और नेटवर्क का कार्य पूर्ण होगा, मलजल का प्रभावी उपचार किया जाएगा।

आने वाली पीढ़ी के लिए हमें जल संरक्षण करना अनिवार्य है - कमिश्नर जामोद

कमिश्नर ने जल गंगा संवर्धन अभियान में सिंगरौली में कंचन नदी में किया श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा 28 मई 2025. प्रदेश सरकार द्वारा विगत 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने अभियान के तहत सिंगरौली जिले के गड़ेरिया पंचायत पहुचकर कंचन नदी के पुनर्जीवन कार्य में श्रमदान किया। कमिश्नर तथा अन्य अधिकारियों ने नदी में गेबियन संरचना के पास साफ-सफाई की।

इस अवसर कमिश्नर ने कहा कि वर्तमान जल संकट के लिए मानव ही जिम्मेदार है। हमने पानी का अंधाधुंध उपयोग किया और वनों का विनाश किया। जिसके कारण धरती के जल भण्डार खाली हो रहे हैं। जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए अब हम सबकी जिम्मेदारी है कि आज से ही कल के लिए जल संरक्षण करें। हमने समय रहते जल संरक्षण के लिए प्रयास नहीं किया तो भावी पीढ़ी का जीवन संकट में होगा।

उन्होंने कहा कि हमें प्रयास करना होगा कि खेत का पानी खेत में गांव का पानी गांव मे रहे जिससे स्वच्छ पेयजल की समस्या का समाधान हो सके। कमिश्नर ने कहा कि हमें अपनी विचारधारा को सुधारते हुये संकल्प लेना होगा कि हम पानी की हर एक बूंद को संरक्षित रख सकें। जल संरक्षण के लिए अपने जीवन शैली में उचित जल प्रबंधन को आत्मसात करना होगा। जल गंगा संवर्धन अभियान मे चल रहे कार्यों में हर व्यक्ति अपना योगदान दे। सामूहिक योगदान के माध्यम से ही किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

कमिश्नर ने वृक्षों का महत्व बताते हुए कहा कि वनों से ही वर्षा होती है। नदियों को भी वनों से ही जल मिलता है। इसलिए हमें जल संरक्षण के साथ-साथ वृक्षारोपण में भी अपना योगदान देना होगा। हमें जल स्त्रोतों के आसपास वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर हरित पट्टी का निर्माण करना होगा जिसके माध्यम से हम मिट्टी के काटव को रोकने में सफल होगे साथ ही नदियां सदानीरा रहेंगी। इस अवसर कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने कहा कि जल के अपव्यय एवं वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से आज हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसमें सबसे प्रमुख चुनौती पेयजल आपूर्ति की है। इस चुनौती का हल केवल जल संरक्षण है। चाहे वह वर्षा जल हो या नदियों में बहने वाले पानी का संरक्षण करना हो। अब हम सबको मिलकर यह प्रयास करना होगा कि हम अपने क्षेत्र में स्थित छोटे-छोटे जल स्त्रोतों का सामूहिक भागीदारी से संरक्षण करें। साथ ही अपने खेतों में वर्षा जल के संरक्षण के लिए मेड़ बंधान, लघु तालाब निर्माण कर वर्षा जल को संरक्षित करें।

कलेक्टर ने कहा कि खेत तालाब के माध्यम से जल संरक्षण करने पर हमें सिंचाई के पानी की सहज उपलब्धता हो जायेगी। इसके साथ खेत तालाब में मछली पालन, कमल की खेती कर अपनी आय को भी बढ़ा सकते हैं। इस दौरान कमिश्नर द्वारा जल शपथ दिलाई गई। इस अवसर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी, संभागीय अधिकारियों तथा ग्रामीणों ने श्रमदान में भागीदारी निभाई।

मातृशक्ति को अहिल्या बाई सम्मान से किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अहिल्याबाई होलकर की 300 जयंती पर भाजपा कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी के अवसर पर समाज में महिलाओं के उत्कृष्ट कार्य करने के लिए समाजसेवीका एवं भारतीय सिंधू सभा महिला शाखा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती राखी होतचंदानी के साथ-साथ समाजसेविका मंजूषा शाह,सीमा अग्रवाल,आरती सिंह एवं अर्चना कोल को प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय,राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी जी ने अहिल्या बाई सम्मान [पुरस्कार] देकर सम्मानित किया

महापौर श्री योगेश ताम्रकार जी भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पांडे जी विधायक नागेंद्र सिंह जी विधायक सुरेन्द्र सिंह ग़हरवार जी विधायक विक्रम सिंह जी सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति उपस्थिति रही

मातृशक्ति के सम्मानित होने पर डॉ मनीष सोई मोना चोपड़ा सिमरन होतचंदानी बबीता गंगवानी रेशमा दुसेजा पूजा चतुर्वेदी सरिता सचदेव कशिश नागदेव सविता सिंह ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है

मोना चोपड़ा को सेवा के सम्मान से किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विगत दिवस बी जे पी कार्यालय में आयोजित अहिल्या बाई होलकर की 300 वी जयंती के अवसर पर प्रभारीमंत्री माननीय कैलाश विजयवर्गीय जी राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी जी, सतना महापौर योगेश ताम्रकार व अन्य वरिष्ठजनों के सानिध्य में समाजसेविका मोना चोपड़ा को महिला सशक्तिकरण सामाजिक सेवा के लिए पुण्य श्लोकाअहिल्याबाई सम्मान से सम्मानित किया गया गया एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

माननीय कैलाशवर्गीय जी ने देवी अहिल्याबाई के जीवन की गाथा सुनाई और उनके साहस शौर्य और महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्यो के बारे में बताया। जिसमें मोना चोपड़ा ने अपनी सहभागिता दी इस अनमोल सम्मान के लिए मोना चोपड़ा ने सभी का आभार व्यक्त किया । मोना चोपड़ा के सम्मानित होने पर मात्रशक्ति एवं समाजसेवियों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ 29 मई को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रमुख वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास विभाग भारत सरकार तथा मध्यप्रदेश शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास के निर्देशानुसार विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन दिनांक 29.05.2025 से 12.06.2025 तक सीधी जिले के 135 ग्राम पंचायतों में किया जायेगा।

उक्त अभियान के अन्तर्गत केन्द्रीय योजनाओं एवं म.प्र. सरकार की प्रमुख योजनाओं कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई नवीन उन्नत कृषि तकनीकियों तथा कृषकों द्वारा कृषि के क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी स्थानीय स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों, कृषि उद्यमी एवं प्रगतिशील कृषकों के द्वारा कृषकों को दिया जाना है।

इसके लिये कलेक्टर की अध्यक्षता में उप संचालक कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी के अधिकारियों तथा कृषि वैज्ञानिकों के साथ विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई है। जिले में अभियान के प्रभावी संचालन हेतु 3 दलों का गठन किया गया है, जो प्रतिदिन 3 पंचायतों में अभियान का संचालन करेगें।

कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 29 मई 2025 को सुबह 09 बजे सांसद डॉ राजेश मिश्रा द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी से कृषि अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों के वाहनों को हरी झण्डदिखाकर किया जाएगा।

श्री वेद माता गायत्री ट्रस्ट आश्रम पड़खुरी में साधना सत्र का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। श्री वेद माता गायत्री ट्रस्ट आश्रम पड़खुरी में पांच दिवसीय साधना सत्र का आयोजन किया गया। पांच दिवसीय विशिष्ट साधना सत्र का उद्देश्य विचार क्रांति अभियान को विश्व व्यापी बनाना, युग नेतृत्व के लिए मनस्वी साधकों को प्रेरित करना और आत्म कल्याण तथा लोक हित की प्राप्ति है।

इस आयोजन में इंदौर शाजापुर सीधी, नागोद, शहडोल एवं रीवा के 20 परिजनों की भागीदारी रही। साधना सत्र में प्रतिदिन प्रातः 04 बजे से रात्रि 8.30 तक विभिन्न क्रम संपन्न किये गए। प्रातः 05 से 07.30 सामूहिक गायत्री महामंत्र का जाप, शिविर के पांच दिनों मे एक लाख पचास हजार गायत्री महामंत्र का जाप किया गया ।

शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि आर. सी. गायकवाड़ एवं दिनेश देशमुख की उपस्थिति में पांच दिवसीय साधना सत्र हरिद्वार के साधना विधान अनुसार संपन्न कराया गया। प्रभाकांत तिवारी उप जोन समन्वयक एवं व्यवस्थापक पड़खुरी आश्रम ने साधकों को गायत्री जाप का महत्व बताया। इस क्रम को सम्पन्न कराने में दिनेश बैश, द्वारका पटेल एवं स्थानीय लोगों का विशेष सहयोग रहा।

आउटरीच कार्यक्रम का संचालन संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जीओसी मध्य भारत एरिया, लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत के आहवान पर बिग्रेडियर राकेश शर्मा कमाण्डेंट राइफल्स सेंटर जबलपुर द्वारा सतना जिले के चूंद गांव में भूतपूर्व सैनिकों/वीर नारियों/विधवाओं से मिलकर गुरूवार को एक आउटरीच कार्यक्र म का सफल आयोजन किया गया। जिसमें कैप्टन राजेश कुमार जैक राइफल्स अभिलेख कार्यालय जबलपुर एवं उनके दल ने की। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (से.नि.) ने बताया कि वीर नारियों/भूतपूर्व सैनिकों/विधवाओं ने बढ-चढकर भाग लिया एवं अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किये। कार्यक्र म में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सतना के समस्त स्टाफका पूर्ण सहयोग रहा।

मैहर कलेक्टर ने की निर्माण कार्यों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर रानी बाटड ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्माण विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर मैहर जिले में चल रहे परियोजना निर्माण कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं करें। निर्माण कार्यो को गुणवत्ता के साथ उसकी तय समय-सीमा में पूर्ण किये जाये। इस मौके पर कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सीएल साकेत, नर्मदा घाटी विकास, प्रधानमंत्री ग्राम सडक, एमपीआरडीसी के अधिकारी, सीएमओ नगर पालिका सुषमा मिश्रा भी उपस्थित रहे।

कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण ने बताया कि जिले में योजना मद से स्वीकृत 11 कार्यों में एक कार्य पूर्ण हुआ है। सडक मजबूतीकरण के 7 कार्य चल रहे हैं। सभी कार्य वर्ष 2023 के स्वीकृत है। सेहरूआ नम्बर दो में 2.8 किमी सडक का निर्माण किया जा रहा है। जिसे जून माह तक पूरा कर लिया जायेगा। प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना में 4जी के प्लान मांगे गये है। जिनमें ग्रेवल रोड के लिए 100 की आबादी और बीटी सडक के लिए 500 की आबादी के ग्राम चिन्हित किये जा रहे हैं।

नर्मदा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि बरगी व्यपवर्तन योजना में रीवा शाखा नहर आरडी शून्य किमी से 39.32 किमी नहर एवं वितरण प्रणाली का कार्य 3 रुपों में किया जा रहा है। जिसमें शून्य से 24 किमी तक 229 करोड की लागत से नहरों से 2400 हेक्टेयर, 24 से 33 किमी तक 195 करोड की लागत से 22862 हेक्टेयर और 33 किमी से 39.32 किमी तक 256 करोड की लागत से बनाई जा रही नहर प्रणाली से 19832 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। रीवा शाखा नहर आरडी 12.75 किमी से 15.75 किमी तक 3 किमी लम्बाई की टनल का कार्य पूर्ण कर लिया है। कार्यपालन यंत्री ने बताया कि कार्य पूर्णता की तिथि दिसम्बर 2025 है। लेकिन बेरमा के 5 गांव और सिंचित-असिंचित भूमि के विवाद तथा नादन टोला की भू-अर्जन की समस्या का निराकरण होने पर तेज गति से एक साल की समय वृद्धि के साथ कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। आरईएस के कामों की समीक्षा में 2019-20 के स्वीकृत कार्यों में विलम्ब का कारण नाले में बहाव दशने पर कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री पर नाराजगी व्यक्त की। सगौनी के विद्यालय भवन के 5 वर्ष में ही जर्जर होने पर कलेक्टर ने कहा कि जब आपके तैयार प्रस्ताव और एसओआर पर कार्य की स्वीकृति कर राशि दी जाती है तो समय पर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने में कठिनाईयां क्यों आती है। उन्होंने कहा कि स्कूल, आंगनवाडी, पंचायत भवन, अतिरिक्त भवन के निर्माण में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं करें। सुदूर सडक सम्पर्क के कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराये।

नगर पालिका मैहर के निर्माण कार्य और मिनी स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा में कलेक्टर ने कायाकल्प अभियान और प्रवेश द्वारों के निर्माण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कटनी रोड पर हाईवे के पास बनाये जा रहे प्रवेश द्वार की साइट और निर्माण में रोड सेफ्टी आडिट के नियमों का पालन करें। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग और एमपीआरडीसी की सडकों पर काम करने से पहले संबंधित विभाग से अनुमति लेकर ही नियमों के आधार पर निर्माण कार्य करें।

सीएमओ ने बताया कि मैहर नगर पालिका के 24 वार्डो में निकाय निधि से स्वीकृत 49 करोड 79 लाख 47 हजार रूपये लागत के 254 कार्य संचालित है। इसी प्रकार मैहर विकास योजना के तहत 44 करोड 53 लाख रूपये लागत के 24 कार्य संचालित है। लोक निर्माण पीआईयू ने बताया कि मैहर जिले में स्वास्थ्य केन्द्र एवं स्कूल भवन सहित कुल 10 भवनों के कार्य चल रहे है।

'देवी अहिल्याबाई-जीवन और दर्शन' विषय पर आयोजित हुई भाषण प्रतियोगिता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में बुधवार दिनांक 28 मई 2025 को "देवी अहिल्याबाई - जीवन और दर्शन" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में संजीव सिंह कुशवाहा एम ए चतुर्थ सेमेस्टर अव्वल स्थान पर रहे।

तीन दिवसीय प्रतियोगिताओ में निबंध, भाषण एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है जिनका समापन 31 मई 2025 को लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती महापर्व पर होगा।

प्रतियोगिता के उपरांत डॉ दिलीप कुमार सोनी विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग ने लोक माता देवी अहिल्याबाई के जीवन दर्शन पर छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह अपने उद्बोधन से प्रतिभागियों एवं आयोजको का मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनकल्याणी पर्व पर शासकीय महाविद्यालय मड़वास में निबंध प्रतियोगिता हुई आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय महाविद्यालय मड़वास में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति के मार्गदर्शन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में लोकव्यापी जनकल्याणी पर्व के तारतम्य में द्वितीय दिवस में देवी अहिल्याबाई जीवन और दर्शन विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में कई छात्र/छात्राओ ने भाग लिया जिसमे प्रथम स्थान पर छात्रा कुमारी प्रिया द्विवेदी, द्वितीय स्थान पर मंदाकिनी तिवारी एवं तृतीय स्थान पर प्राची गुप्ता रही। निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. ज्योति रजक और डॉ. निशा सिंह थी।

निबंध प्रतियोगिता में कार्यक्रम संयोजक डॉ. दीपक अग्निहोत्री, डॉ. संगीता मिश्रा, डॉ. आकांक्षा मिश्रा, डॉ. कमलेश जायसवाल, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ पंकज मिश्रा डॉ. रामधारी जायसवाल, प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो. बाबा हरिनन्द, डॉ. सुरेंद्र गुप्ता, डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा, श्री अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्राए उपस्थित थे।

डॉ बीके जैन को पद्मश्री अवार्ड मिलने पर कलेक्टर ने दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू द्वारा सतना जिले के चित्रकूट के सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट केट्रस्टी डॉ. बीकेजैन को पद्म श्री सम्मान 2025 प्रदान किए जाने पर कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बधाई और शुभकामनाएं दी है। सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के प्रसिद्ध चित्रकूट नेत्र चिकित्सालय में दीर्घ काल से नेत्र रोगियो को सेवा प्रदान कर रहे डॉ बी के जैन का जन्म सतना मेंही हुआ और उन्होंने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक एक से प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की। यह सम्मान डॉ. जैन को चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया है।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जन्म जयंती पर रंगोली कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होल्कर जी का 300वीं जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम 21 मई से 31 मई 2025 तक भारतीय जनता पार्टी द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 28 मई 2025 को रंगोली कार्यक्रम का आयोजन अटल पार्क, रीवा में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी के जन्म जयंती पर किया गया, जिसमें भाजपा महिला मोर्चा का विशेष योगदान रहा।

यह कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महिला मोर्चा द्वारा लोकमता अहिल्याबाई होल्कर जी की रंगोली बनाकर उनको याद किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता जी ने लोकमता अहिल्याबाई होल्कर जी को याद करते हुए रंगोली बनाने वाली महिला मोर्चा के महिलाओं को आभार प्रकट करते हुए कहा कि महिल शक्ति के बिना कुछ भी संभव नही है। शिव है तो शक्ति है और शक्ति है तो शिव है।

उन्होंने लोकमता अहिल्याबाई होल्कर जी को शिव जी अनन्य भक्त बताया। लोकमता अहिल्याबाई होल्कर जी के आचरण और उनके मार्ग का अनुसरण करने का संकल्प सभी को दिलाया। इस रंगोली कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अपना सहयोग प्रदान करने वाली महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती साधना गुप्ता, जिला मंत्री महिला मोर्चा रोश्नी मैत्रेय, मुक्ति राय, रीता पाण्डेय, नेहा ठाकुर

अनीता तिवारी, सविता तिवारी, रेशमा सिंह, मधु द्विवेदी, जिला महामंत्री ममता गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक संजय द्विवेदी, शरद साहू जिला मंत्री, गौरव तिवारी पूर्व राष्ट्रीय मंत्री युवा मोर्चा, रीवा जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश यादव, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मो. इमरान गुलाब, संजीव गुप्ता, विवेक पाण्डेय शास्त्री, प्रकाश तनवानी, बुद्धसेन नापित, मोहित गुप्ता, रमेश कुशवाहा, भूपेन्द्र विश्वकर्मा, संजय मिश्रा लाली, मनीष शुक्ला, गणेश साकेत, प्रमोद तिवारी, श्रीकृष्ण गुप्ता, बृजेन्द्र द्विवेदी, पार्षद समीर शुक्ला, अम्बुज रजक आदि सैकड़ो पदाधिकारी व महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विचार

देशभर के छात्रों की मौत पर कार्रवाई होनी चाहिए

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने कोटा में हुई छात्रों की मौत पर सुनवाई की। इन पर चिंता जाहिर की। स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई, जबकि अकेले कोटा ही नहीं देशभर के छात्रों की मौत पर कार्रवाई होनी चाहिए। इन मौत की जांच होनी चाहिए। देशभर के छात्रों की आत्महत्या और इनको रोकने पर विचार होना चाहिए।

स्टूडेंट्स सुसाइड मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कोटा में हो रहे स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा, %कोटा में इस साल अब तक 14 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं। आप एक राज्य के तौर पर इसे लेकर क्या कर रहे हैं? स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? एक राज्य के तौर पर क्या आपने इस पर कोई विचार नहीं किया?% सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोटा में छात्रा का शव मिलने और आईआटी खड़गपुर के छात्र के सुसाइड मामले की सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। चार मई को एनइइटी एग्जाम से कुछ ही घंटे पहले कोटा के हॉस्टल में 17 साल की छात्रा का शव मिला था। चार मई को ही, आईआईटी खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 साल के स्टूडेंट ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली थी। इन्हीं दोनों मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने छह मई को स्वतः संज्ञान लिया था।

आईआईटी खड़गपुर सुसाइड को लेकर कोर्ट ने 14 मई को कहा था वो सिर्फ यह पता लगाने के लिए संज्ञान ले रहे हैं कि प्रशासन ने अमित कुमार एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में जारी कोर्ट के निर्देशों का पालन कर एफआईआर दर्ज कराई है या नहीं। वहीं, कोटा में हुए सुसाइड को लेकर कोर्ट ने जवाब मांगा था कि एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने ये सुनवाई की थी। इसी के साथ कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश भी दिया था कि मेंटल हेल्थ और सुसाइड प्रिवेंशन के लिए बनने वाली नेशनल टास्क फोर्स यानी एनटीएफ के गठन के लिए 20 लाख रुपए दो दिन में जमा कराएं।

बात पिछले सालों की करें, तो साल 2024 में कोटा में रहने वाले 17 स्टूडेंट्स ने सुसाइड किया था। पिछले साल जनवरी के महीने में 2 और फरवरी के महीने में 3 सुसाइड हुए थे। वहीं साल 2023 में कोटा में स्टूडेंट सुसाइड के कुल 26 मामले सामने आए थे।

एमपी सुसाइड प्रिवेंशन टास्क फोर्स के मेंबर और साइकेट्रिस्ट डॉ सत्यकांत त्रिवेदी ने कोटा में हो रहे स्टूडेंट सुसाइड को लेकर कहा, 'किसी भी आत्महत्या का कोई एक कारण नहीं होता। वही एग्जाम सभी बच्चे दे रहे होते हैं। ऐसे में सुसाइड के लिए मिले-जुले फैक्टर्स जिम्मेदार होते हैं। इसमें जेनेटिक्स कारण, सामाजिक कारण, पियर प्रेशर, माता-पिता के एक्सपेक्टेशन्स, शिक्षा तंत्र सब शामिल है। डॉ त्रिवेदी कहते हैं कि कहीं न कहीं हम बच्चों को ये सिखाने में नाकामयाब हो जाते हैं कि स्ट्रेस, रिजेक्शन या फेलियर से कैसे डील करना है। आज बच्चा ये मानने लगा है कि उसका एकेडमिक अचीवमेंट उसके एग्जिस्टेंस से भी बड़ा है।

बांग्लादेश जब भारत को आंखें दिखाएगा तो अपने अंजाम को भी भुगतने को तैयार रहेगा

कमलेश पांडे

कभी ग्रेटर बंगलादेश का स्वप्न संजोने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता और बांग्लादेश के कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहमद यूनुस अब अपने ही देश में ऐसे घिरे हैं कि जब उन्हें आगे का कोई रास्ता नजर नहीं आया तो फिर अपने जन्मदाता भारत पर ही अनर्गल लांछन लगाने लगे। वह अमेरिका, चीन, पाकिस्तान की गोद में खेलें, कोई बात नहीं लेकिन भारत और हिंदुओं से खेलेंगे तो अगले ऑपरेशन सिंदूर के लिए तैयार रहें। याद रखें, तब कोई बाप बचाने नहीं आएगा। हाल ही का पाकिस्तानी मंजर देख लें, अंजाम समझ लें और हो सके तो भारत के पड़ोस में बचकानी हरकत बंद कर दें। बता दें कि अपनी पिछली चीन यात्रा के दौरान ही उन्होंने बढ़चढ़ कर भारत के चिकेन नेक पर काबिज होने, पश्चिम बंगाल-उार-पूर्व बिहार और उार-पूर्व के सात बहन राज्यों को मिलाकर ग्रेटर बांग्लादेश बनाने और नार्थ-ईस्ट राज्यों को लैंड लॉड बताकर इलाकाई समुद्र का बेताज बादशाह होने का जो दिवास्वप्न उन्होंने देखा है, उसके मुताल्लिक भारत भी उन्हें दिन में ही तारे दिखाने की रणनीति बना चुका है। अब वो आगे बढ़ेंगे तो पीछे से भारत भी एक बार फिर बांग्लादेश का अंग भंग कर देगा!

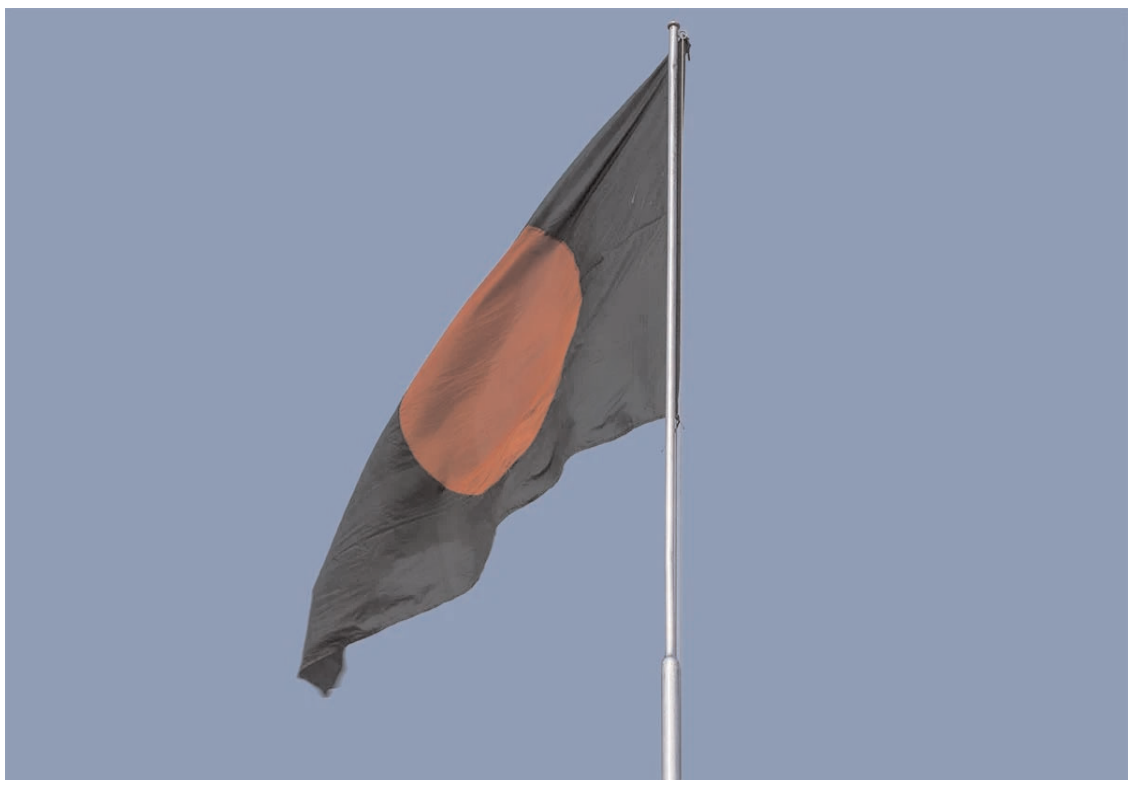

क्योंकि कभी पाकिस्तान से पूर्वी पाकिस्तान का अंग भंग करवाकर भारत ने ही जिस बांग्लादेश का निर्माण करवाया था, आज वही बांग्लादेश जब भारत को आंखें दिखाएगा तो अपने अंजाम को भी भुगतने को तैयार रहेगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि वहां की शेख हसीना सरकार की तख्तापलट के बाद महज 6 माह में ही परवर्ती कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बांग्लादेश भारत विरोधी चीनी, पाकिस्तानी और अमेरिकी अखाड़े का अड्डा बन चुका है, जो उसके लिए शर्म की बात होनी चाहिए। यही वजह है कि इस विफल सरकार के खिलाफ अब वहां भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिससे देश में अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में यूनुस ने अपना सारा दोष भारत पर मढ दिया है। हालांकि भारत के पास उन्हें जवाब देने के लिए ऐसे-ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिससे उनके होश उड़ सकते हैं।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश एक बार फिर से उबल रहा है, जिससे मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार अस्थिरता के बवंडर की ओर निरंतर बढ़ रही है। उनकी सेना से ही उनकी ऊटपटांग नीतियों का विरोध हो रहा है। जबकि उनकी सरकार के खिलाफ जनता द्वारा भी अविलंब चुनाव की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इससे मुल्क में तनाव का आलम व्याप्त हो चुका है। चूंकि इस विरोध प्रदर्शन में सरकारी कर्मचारी भी शामिल हो चुके हैं। इसलिए अपनी उल्टी गिनती शुरू होते देख मोहम्मद यूनुस अपनी नाकामियों को बिना नाम लिए भारत पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। वहां उनकी लापरवाही और अदूरदर्शिता से अब जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए विदेशी साजिश को जिम्मेदार बता रहे हैं।

जबकि, हकीकत ये है कि उन्हें सिर्फ चुनाव करवाने तक के लिए सरकार चलाने भर की जिम्मेदारी मिली है। लेकिन, जानकार बताते हैं कि वह चुनाव छोड़कर बाकी हर तरह के हथकंडे अपनाने में लगे हैं। बांग्लादेश की विदेश नीति, उसका संविधान, उसका इतिहास और यहां तक कि उसके जन्म की मूल अवधारणा तक को वो नकारने के लिए आत्मघाती दांव लगा रहे हैं। यही वजह है कि आज बांग्लादेशी फौज भी उनके विरोध में खड़ी हुई है।

ऐसे में यह कहना गलत न होगा कि मोहम्मद यूनुस जब से बांग्लादेश की सत्ता में आए हैं, भारत के चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मनों के साथ झूम-झूम कर नाचने-गाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, उन्हें चीन के दम पर भारत के जिस भारत के चिकन नेक कॉरिडोर (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) को दबा पाने की गलतफहमी हो गई है, ग्रेटर बांग्लादेश बनवाने में विदेशियों व भारत के मुसलमानों के साथ मिलने का भ्रम हो चुका है, और लैंड लॉक्ड नार्थ ईस्ट के चलते समुद्र का बेताज बादशाह होने के जो सपने उन्होंने चीन को दिखाए हैं, तब उन्हें शायद यह अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि भारत के रणनीतिकार उनके साथ और उनके हमदम चीन-पाकिस्तान-म्यांमार के साथ क्या क्या कर सकता है।

शायद मोहम्मद यूनुस शायद यह भूल चुके हैं कि बांग्लादेश की पैदाइश ही कुशल भारतीय विदेश नीति की सफल देन रही है, जिसे तब अमेरिका व चीन नहीं रोक पाए थे। यह भारत की वीरता है जो चुटकट्टो पर युद्ध के मैदान में भारी पड़ती है। ऐसे में जब वो अपने जन्मदाता की संप्रभुता और अखंडता को ही चुनौती देने लगेंगे तो भारत को भी देर-सबेर अपने सटीक विकल्प तलाशने पड़ेंगे। यदि भारत के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक हालिया सकेसाक्षात्कार को देखें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि नागपुर मुख्यालय से भी मोदी सरकार को उसी तरफ इशारा किया गया है।

मसलन, संघ के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर और पांचजन्य में गत रविवार को छपे उनके एक इंटरव्यू के मुताबिक उन्होंने भारत के पड़ोस में बुराई को खत्म करने के लिए शक्ति का इस्तेमाल करने की बात कही है, वह अब हमारी विदेश नीति का महत्वपूर्ण ध्येय बनने जा रहा है। उनके अनुसार जिन कुछ देशों में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, वहां पर हिंदू समाज की ताकत का इस्तेमाल उनकी रक्षा के लिए किया जाना चाहिए।

बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर अपने विचार रखते हुए संघ के सर संघचालक ने ठीक ही कहा है कि, हमारी ताकत अच्छे लोगों की रक्षा और बुरे लोगों को नष्ट करने के लिए होनी चाहिए। जब कोई और चारा नहीं होता, तो बुराई को जबरदस्ती खत्म करना पड़ता है। इसलिए, हमारे पास शक्तिशाली बनने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि हम अपनी सीमाओं पर बुरी ताकतों की बुराई देख रहे हैं।

हमारा तात्पर्य यह है कि शायद जो बात मोहन भागवत ने खुलकर नहीं कहा, उसे असम के मुख्यमंत्री और पूर्वोत्तर के दिग्गज बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने अधिक विस्तार से बताने की कोशिश की है, जो सराहनीय है। कुछ दिन पहले भी उन्होंने मोहम्मद यूनुस के भारत के चिकन नेक कॉरिडोर पर उनकी गलत नजर पर पलटवार करते हुए बांग्लादेश के पास भी दो चिकन नेक होने की जो बात कही थी, उससे बंगलादेश व उसके हमदमों का तिलमिलाना स्वाभाविक है।

गौरतलब है कि उन्होंने गत 25 मई रविवार को एक एक्स (ङ्क) पोस्ट डाला है, जिसमें उन्होंने दो टूक लिखा है कि जिन्हें भारत को चिकन नेक कॉरिडोर पर धमकाने की आदत पड़ चुकी है, उन्हें तीन तथ्यों को ध्यान से नोट कर लेना चाहिए। पहला, बांग्लादेश के पास अपने दो चिकन नेक हैं और दोनों भारत से कहीं ज्यादा असुरक्षित हैं।

दूसरा, पहला है 80 किमी लंबा उत्तर बांग्लादेश कॉरिडोर, जो दक्षिण दिनाजपुर से दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स (मेघालय) तक जाता है। अगर यहां कोई रुकावट आती है, तो पूरा रंगपुर डिवीजन बांग्लादेश से कट सकता है। मतलब, रंगपुर का बाकी बांग्लादेश से संपर्क टूट जाएगा।

तीसरा,यह है 28 किमी का चटगांव कॉरिडोर, जो साउथ त्रिपुरा से बंगाल की खाड़ी तक जाता है। यह कॉरिडोर भारत के चिकन नेक से भी छोटा है। पर यह बांग्लादेश की आर्थिक राजधानी और राजनीतिक राजधानी को जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है।

इससे साफ है कि बांग्लादेश के मौजूदा हालात, मोहम्मद यूनुस की ओर से सत्ता में बने रहने के लिए चलाए जा रहे खौफनाक एजेंडा की गवाही दे रहे हैं और भारत में अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए जो तल्ख विचार सामने आ रहे हैं, उससे भारतीयों को यह आस्वस्ति मिल रही है कि हमारा जवाब बहुत करारा होगा। क्योंकि रंगपुर में चिकन नेक कॉरिडोर काटने का मतलब है कि भारत का सिलीगुड़ी कॉरिडोर बहुत ही विशाल हो जाएगा। कहने का तातपर्य यह कि अभी जो लगभग 22 किलोमीटर की चौड़ी पट्टी है और जिसपर यूनुस और भारत के दुश्मनों की नजर लगी हुई है, वह अप्रत्याशित रूप से इतनी चौड़ी हो सकती है कि मतलब, पूर्वोत्तर की बहुत बड़ी समस्या एक ही झटके में खत्म हो सकती है।

बिहार की चुनावी लड़ाई को तेज प्रताप यादव ने बना दिया दिलचस्प

बिहार के दो पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी के बेटे तेज प्रताप यादव ने राज्य की चुनावी लड़ाई को दिलचस्प बना दिया है। कागजों में लालू यादव के छोटे और हकीकत में बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अपनी माता राबड़ी देवी के लाडले बेटे माने जाते हैं। बिहार की राजनीति को और खासकर लालू यादव के परिवार को करीब से देखने वाले जानकारों की माने तो, वर्ष 2015 में जब नीतीश कुमार की सरकार में तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था,तभी से रिश्तों में यह खटास शुरू हो गई थी। तेज प्रताप यादव, बड़े बेटे होने के नाते अपने आपको लालू यादव का उत्तराधिकारी मान कर चल रहे थे लेकिन लालू यादव ने अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव को अपना उत्तराधिकारी बना दिया। कई जानकर लोग तो यहां तक कहते हैं कि राबड़ी देवी ने अड़ कर तेज प्रताप यादव को जेडीयू-आरजेडी गठबंधन सरकार में मंत्री बनवाया था। ऐसे में अपने ही बेटे के खिलाफ लालू यादव द्वारा लिए गए एक्शन को काफी आश्चर्य से देखा जा रहा है। सवाल यह पूछा जा रहा है कि क्या लालू यादव ने अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव के दबाव में यह फैसला किया है ? एक तरफ जहां इस फैसले के लिए यादव परिवार के एकजुट होने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ किसी को भी इसका भरोसा नहीं हो पा रहा है कि राबड़ी देवी अपने बड़े बेटे को पार्टी और परिवार से निकालने पर तैयार हो गई होंगी ?

तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट से लालू यादव इतना बड़ा फैसला लेने के लिए मजबूर हो सकते हैं,यह कोई सोच भी नहीं सकता था। तेज प्रताप यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर ऐलान कर दिया था कि वो एक लड़की के साथ 12 साल से रिलेशन में हैं और वो दोनों एक-दूसरे से प्यार करते हैं। हालांकि इसके बाद उन्होंने एक और पोस्ट कर यह दावा किया कि उनका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो गया था और उन्हें बदनाम करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। उसके बाद तेज प्रताप यादव के उस लड़की के साथ कई तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगे,जिसने यादव परिवार को असहज कर दिया।

बिहार में तय समय के अनुसार, अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने हैं। एक दौर में बिहार की राजनीति को अपनी उंगलियों पर नचाने वाले लालू यादव तुरंत समझ गए कि बड़े बेटे की हरकतों का खामियाजा विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ेगा। पोस्ट और वायरल होते फोटो एवं वीडियो ने तेजस्वी यादव को भी इस बात का अहसास करा दिया कि अगर अब बड़े भाई पर कोई एक्शन नहीं लिया गया तो बिहार में एक बार फिर से उन्हें जनता विपक्ष में बैठने का ही जनादेश देगी। लालू यादव भी बेटे तेजस्वी यादव के तर्कों से सहमत हो गए और आखिरकार उन्होंने परिवार और पार्टी के मुखिया होने के नाते यह बड़ा फैसला कर लिया।

लालू यादव के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किए गए पोस्ट और उसके बाद तेजस्वी यादव के आए बयान से आप समझ सकते हैं कि इस समय दोनों नेताओं के मन में बिहार का आगामी विधानसभा चुनाव ही चल रहा है। क्योंकि दोनों ही नेता बिहार में एक और चुनावी हार को झेलने की स्थिति में नहीं है। लालू यादव ने तेज प्रताप यादव को निकालने की घोषणा करते हुए लिखा, निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष

को कमज़ोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूँ। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है। अपने निजी जीवन का भला -बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूँ। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सावर्जनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। धन्यवाद।

इसके बाद तेजस्वी यादव ने भी मीडिया के सामने आकर बयान दिया, हमें यह सब चीज ना तो अच्छी लगती है और ना ही हम इसको बर्दाशत करते हैं। जहां तक मेरे बड़े भाई की बात है, वह एडल्ट हैं उनको अधिकार है वह क्या निर्णय लेते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष (लालू यादव) ने उनके बारे में क्या कहा है, वह सार्वजानिक कर दिया गया है। वह अपने निजी जीवन में क्या कर रहे हैं वह किसी से पूछ कर नहीं करते हैं। आपके माध्यम से ही हमें यह पता चला है।

लालू यादव और तेजस्वी यादव भले ही तेज प्रताप यादव की प्रेम कहानी से पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन यह विवाद अभी थमने वाला नहीं है। कई नाम हवा में तैर रहे हैं और एनडीए गठबंधन में शामिल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा- हम के संस्थापक संरक्षक जीतन राम मांझी ने बड़ा खुलासा कर इस विवाद को और ज्यादा गरमा दिया है। केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री जीतन राम मांझी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, दरोगा बाबू की पोती ऐश्वर्या के साथ जो लालू परिवार ने किया है उसका बदला आने वाले चुनाव में बिहार की हर महिला लेकर रहेगी। तेज प्रताप जब किसी के साथ रिलेशनशिप में थें तो फिर किसी लड़की की ज़िन्दगी बर्बाद करने का अधिकार लालू परिवार को किसने दिया ? कहीं ऐसा तो नहीं है कि किसी सिन्हा के चक्कर में लालू परिवार अनुष्का यादव की ज़िंदगी भी बर्बाद करवा दे ? इसका जवाब लालू परिवार को देश के सामने देना होगा।

जीतन राम मांझी की यह पोस्ट साफ-साफ बता रही है कि लालू यादव द्वारा अपने बेटे को बाहर निकालने के बावजूद यह विवाद अभी थमने वाला नहीं है। क्योंकि बिहार और केंद्र, दोनों जगहों पर सरकार चला रहे एनडीए गठबंधन के नेताओं के पास कुछ और भी नाम हैं।

मंत्रालय घेरने निकले टीचर्स को पुलिस ने रोका, स्कूल रिओपनिंग के बहिष्कार का ऐलान; जानिए क्यों हो रहा विरोध

स्कूल मर्ज करने के खिलाफ 10 हजार शिक्षकों का प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ सरकार ने 10 हजार से ज्यादा स्कूलों का युक्तियुक्तकरण करने का आदेश जारी कर दिया है। इससे 43 हजार से ज्यादा शिक्षकों के पद भी खत्म हो सकते हैं। जिसके विरोध में बुधवार को 23 संगठनों से जुड़े करीब 10 हजार शिक्षक राजधानी रायपुर के तूता धरना पहुंचे।यहां से सभी शिक्षक मंत्रालय के घेराव के लिए निकले थे। लेकिन पुलिस ने शिक्षकों को बीच में ही रोक लिया। काफी देर तक प्रशासनिक अधिकारियों और संगठन के लीडर्स के बीच बहस चलती रही। इसके बाद शिक्षकों का एक डेलिगेशन शिक्षा सचिव से मुलाकात करने के लिए निकला।शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार अपना फैसला वापस नहीं लेती तो, शिक्षक 15 जून से खुल रहे स्कूलों का बहिष्कार कर देगी। इसके अलावा सभी शिक्षक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगे। शिक्षकों ने युक्तियुक्तकरण को जबरदस्ती थोपने वाला फैसला बताया है।

युक्तियुक्तकरण एक सरकारी शब्द है। आसान भाषा में समझा जाए तो इसका मतलब है दो चीजों को साथ में मर्ज कर देना, एक सिस्टम के तहत। उदाहरण से समझिए, किसी कंपनी के एक ही शहर में दो ऑफिस हैं। संसाधन और मैन पावर दोनों ऑफिस में अलग-अलग बंट रहे हैं। लेकिन कंपनी को इसकी नीड नहीं है।

ऐसे में कंपनी दोनों ऑफिस को एक कैंपस में मर्ज कर देगी और मैन पावर को भी अपने सिस्टम के हिसाब से फिल्टर कर देगी। यही युक्तियुक्तकरण है। जिसे अंग्रेजी भाषा में रेशनेलाइजेशन कहते हैं। कंपनी के लिहाज से देखा जाए तो उन्होंने अपना खर्च बचा लिया। एक ही कैंपस होने से मैनेजमेंट आसान हो गया। मैन पावर भी घट गया। यानी पॉजिटिव चेंज है।

लेकिन अब इसी चीज को कर्मचारियों के नजर से देखिए। कर्मचारी के साथ हुआ यह कि कुछ की नौकरी चली गई। कुछ को अब घर से लंबा सफर तय कर ऑफिस आना पड़ेगा। इसके अलावा कंपनी अलग-अलग ऑफिस के लिए जो वैकेंसी निकालती थी, वो अब एक ही ऑफिस के लिए निकालेगी। यानी वैकेंसी घट जाएगी। और जो एम्प्लाय बच गए हैं, उन पर वर्क लोड बढ़ेगा। जोकि नेगेटिव है।

यानी युक्तियुक्तकरण वो प्रक्रिया है, जिसे पूंजीवादी नियोजक और कोई सरकार अपने कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ाने। उन्हें अधिशेष यानी सरप्लस शो करते हुए दूसरे कामों में लगाने या उनकी छंटनी करने के लिए प्रयोग करते हैं। यही प्रक्रिया छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों और शिक्षकों के लिए फॉलो की जा रही है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के तहत ये सुझाव दिया गया है कि एक क्लास में 30 से अधिक छात्रों की संख्या नहीं होनी चाहिए। यानी 30 छात्रों पर एक शिक्षक होना चाहिए। अभी छत्तीसगढ़ में सरकार के दिए आंकड़ों के मुताबिक, प्राइमरी स्कूल में लगभग 22 बच्चों पर एक शिक्षक है। और प्री मिडिल स्कूल में लगभग 26 बच्चों पर एक शिक्षक है।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ की स्थिति काफी बेहतर है लेकिन यह एक साइड है। दूसरा साइड ये है कि प्रदेश के 30,700 प्राइमरी स्कूलों में 6,872 स्कूल ऐसे हैं, जहां सिर्फ एक ही टीचर है। और 212 ऐसे हैं, जहां एक भी शिक्षक नहीं हैं। वहीं 13,149 प्री मिडिल स्कूलों में से 255 स्कूलों में एक ही टीचर है।

इसी कैटेगरी में 48 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी टीचर नहीं है। इसी आंकड़े को सामने रखकर सरकार कह रही है कि, हमारे पास शिक्षक पर्याप्त हैं, लेकिन इनका बंटवारा सही तरीके से नहीं हुआ है। यानी कुछ स्कूलों में शिक्षकों की संख्या सरप्लस हैं। जिन्हें जरूरत मंद स्कूलों में भेजा जाए तो शिक्षक की कमी पूरी हो जाएगी।

रीवा की खबरें

'रानी अहिल्याबाई की न्यायप्रियता और लोकसेवा प्रेरणा का स्त्रोत है'

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रानी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के कार्यक्रम प्रदेश भर में आयोजित किए जा रहे हैं। इस क्रम में मऊगंज जिले के हनुमना में जनपद पंचायत परिसर में आयोजित महिला स्वसहायता समूह सम्मेलन में रानी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मनाई गई। समारोह की मुख्य अतिथि नगरीय विकास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि रानी अहिल्याबाई की न्यायप्रियता और लोकसेवा की भावना हम सबके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उनकी अद्वितीय प्रशासनिक क्षमता ने जनकल्याण के नए प्रतिमान गढ़े। रानी अहिल्याबाई भगवान शिव की परमभक्त होने के साथ-साथ कुशल शासिका और रणनीतिकार के रूप में अपनी छाप छोड़ी। उनके 30 वर्ष के शासनकाल में एक भी युद्ध नहीं हुआ और पूरा शासनकाल सुशासन और जनकल्याण के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। रानी अहिल्याबाई ने देश भर के प्रमुख धार्मिक स्थानों में तीर्थयात्रियों के लिए धर्मशालाओं का निर्माण और बनारस के बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। उन्होंने 250 से अधिक मंदिरों का निर्माण कराया। वह स्वयं दरबार में बैठकर प्रजा की समस्याएं सुनकर तत्काल न्याय करती थीं। उनका जीवन महिला सशक्तीकरण और सुशासन का अनुपम उदाहरण है। सम्मेलन में राज्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने महिलाओं के कल्याण और सशक्तीकरण के अनेक प्रयास किए हैं। हनुमना में 1200 से अधिक महिला स्वसहायता समूह विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से स्वाबलंबी बने हैं। इनसे जुड़ी महिलाओं का जीवन बेहतर हो रहा है। सरकार महिला स्वसहायता समूहों को मध्यान्ह भोजन निर्माण, गेंहू और धान के उपार्जन, उचित मूल्य दुकानों का संचालन सहित अनेक आर्थिक विकास के अवसर दे रही है। महिला सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सम्मेलन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ने महिला स्वसहायता समूहों की गतिविधियों की जानकारी दी। सम्मेलन में वरिष्ठ समाजसेवी डॉ राजेन्द्र मिश्रा, सरिता सिंह, सुनील शुक्ला, एसडीएम हनुमना रश्मि चतुर्वेदी तथा बड़ी संख्या में महिलाएं एवं आमजन उपस्थित रहे।

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी/28 मई 2025/ छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 में संशोधित प्रावधान के अनुसार, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के परिशिष्ट-1 की कंडिका-6(क)(1) के तहत प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत करने का प्रावधान किया गया है।

इसके तहत ग्राम बरहोरी तहसील भरतपुर में पुष्पराज सिंह की पानी में डूबने से हुई मृत्यु हो जाने पर उनके पिता लालबहादुर को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार, सोनू पिता बिक्कुराम निवासी ग्राम मेण्ड्रा तहसील खड़गवां की मृत्यु पानी में डूबने के कारण हो गया था जिससे मृतक के पिता बिक्कूराम को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

इसी प्रकार सविता निवासी ग्राम धनौली तहसील कोटाडोल की पानी में डूबने से हुई मृत्यु हो जाने पर उनके पिता तेजबहादुर को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार सूरज ढीमर निवासी ग्राम जमथाम तहसील भरतपुर की जहरीले सर्प के काटने से हुई मृत्यु हो जाने पर जिससे मृतक की पत्नी राधा वर्मा को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

इसी प्रकार विजय कुमार साहू निवासी ग्राम वार्ड क्र0 14 पंखा दफाई हल्दीबाड़ी चिरमिरी तहसील चिरमिरी की मृत्यु पानी में डूबने के कारण हो गया था जिससे मृतक के पिता शिवलखन साहू को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। उपरोक्त स्वीकृत राशि का व्यय मांग संख्या-58 मुख्य शीर्ष-2245 प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में विकलनीय होगा।

कृषि विभाग द्वारा 29 मई से 12 जून तक चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार राज्य में 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन किया जायेगा। जिसके अंतर्गत जिले के कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में कृषि विभाग के द्वारा सभी विकासखण्डों में इस अभियान का संचालन किया जाना है।

जिसके संबंध में जिले के कृषि विभाग उप संचालक लाल सिंह आर्मो ने जानकारी देते हुए बताया है कि संचालनालय कृषि विभाग रायपुर के द्वारा राज्य के सभी जिलों के कृषि एवं संवर्गीय विभागों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में दिए गए निर्देशानुसार यह अभियान राष्ट्रीय स्तर का अभियान खरीफ मौसम की पूर्व तैयारी को सशक्त बनाने, किसानों को आधुनिक व वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ने और खेतों में हो रहे नवाचारों को पहचान कर अनुसंधान की दिशा तय करने के लिए शुरू किया गया है।

जिला में इस अभियान के सफल संचालन के लिए कृषि एवं संबंधित विभाग जैसे उद्यान, पशुपालन, मछलीपालन के जिला एवं विकासखण्ड स्तर के अधिकारियों तथा कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों की 3 टीम गठित की गई है। ये टीम प्रतिदिन प्रति विकासखण्ड 2 ग्राम पंचायतों में पहुंचकर किसानों के साथ कृषक पाठशाला के माध्यम से कृषकों को मृदा परीक्षण, धान की कतार बोनी एवं पैडी ट्रांसप्लांटर से धान रोपड़, ड्रोन तकनीकी का उपयोग, प्राकृतिक खेती योजना के बारे में, बीजों की नवीन किस्में, संतुलित उर्वरक उपयोग, संतुलित कीटनाशक उपयोग, पशुओं की मौसमी बिमारियों एवं उपचार, उद्यानिकी फसलों के बारे में विस्तृत रूप से परिचर्चा करेंगे, साथ ही कृषि विभाग उद्यान विभाग, पशुपालन, मछलीपालन विभाग की प्रमुख राज्य एवं केन्द्रीय योजना के बारे में जानकारी साझा की जायेगी।

शिविर में ग्राम पंचायत एवं विकासखण्ड के प्रगतिशील कृषकों को भी उनके नवाचार के बारे में बताने हेतु आमंत्रित किया जायेगा। शिविर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के छुटे हुए हितग्राहियों का ईकेवाईसी, आधार सीडिंग एवं भूमि सीडिंग कार्य भी किया जायेगा, ताकि कृषकों को आगामी 20 वीं किस्त से लाभान्वित किया जा सके। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अभियान की गरिमामयी संपन्नता के निर्देश दिए गए है। 29 मई से 12 जून तक जिले में ब्लॉक मनेन्द्रगढ़ में 26 शिविर, खडगवां में 26 शिविर, भरतपुर में 26 शिविर तथा कुल 78 शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्राम कदैला में निकाली गई जल रैली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ-साथ जल गंगा रैली, जल संगोष्ठी और जल चौपाल के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में गत दिवस गंगेव विकासखण्ड के ग्राम कदैला में जल गंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ करते हुए विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल संरक्षण से ही पानी की समस्या दूर होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण और संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से जल स्रोतों की साफ-सफाई और सुधार के साथ-साथ नई जल संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। हर व्यक्ति अपने गांव के जल स्त्रोत को साफ-सुथरा और पानी से भरा-पूरा बनाने के लिए श्रमदान करे। इसके साथ-साथ वर्षाकाल में कम से कम एक पौधा रोपित करके उसकी उचित देखभाल करे। वृक्षारोपण से भी जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। कदैला ग्राम में जल गंगा रैली तेड़ा तालाब तक निकाली गई। इसके बाद रैली में शामिल जनप्रतिनिधियों तथा आमजनों ने तालाब की साफ-सफाई में श्रमदान किया। रैली में जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी, एसडीएम मनगवां पीएस त्रिपाठी, तहसीलदार सुमित गुप्ता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्राची चौबे, नायब तहसीलदार राजीव शुक्ला, जनपद सदस्य गणेश सिंह, जनपद सदस्य प्रेमवती, सरपंच मुकेश पटेल, जन अभियान परिषद की विकासखण्ड समन्वयक अनीता मिश्रा, डॉ विष्णुदेव कुशवाहा एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन ने बदला भविष्य

सेमबती की जल जीवन मिशन ने बदला भविष्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जल जीवन मिशन ने मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत सिरियाखोह के ग्राम सिरियाखोह की बस्ती में एक नई रोशनी की किरण जगाई है। इस योजना के अंतर्गत हर घर तक स्वच्छ और सुरक्षित नल जल पहुंचाने का सपना अब साकार हो चुका है।

इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। सेमबती जो इस बदलाव की साक्षात प्रतीक बन चुकी हैं। सेमबती, जो पहले पानी के लिए कई किलोमीटर दूर पैदल चलने को मजबूर थीं, अब उनके आंगन में नल से स्वच्छ जल प्राप्त हो रहा है। इससे न केवल उनका समय बचा, बल्कि परिवार की महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर पड़ा है। पहले जहां पानी की कमी से उन्हें खेती-बाड़ी और घरेलू कामों में कठिनाई होती थी, वहीं अब जल की उपलब्धता से उनकी दिनचर्या सुचारू और संतुलित हो गई है।

सेमबती की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि योजनाएं जब ज़मीनी स्तर पर ईमानदारी से लागू होती हैं, तो वे आम जीवन को असाधारण रूप से बदल सकती हैं। जल जीवन मिशन ने न केवल पानी पहुंचाया, बल्कि गांव की उम्मीदों को एक नई दिशा दी है।

बिंश कुमारी की जुबानी

छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की ग्राम पंचायत सिरियाखोह के एक छोटे से गांव की बस्ती में रहने वाली बिंश कुमारी की ज़िंदगी कभी रोज़ पानी के इंतज़ार में बीतती थी। सुबह होते ही सिर पर घड़ा उठाकर कई किलोमीटर दूर पानी लाने निकलना उनका नियमित काम था। न गर्मी की परवाह, न बारिश की फिक्र - बस एक चिंता रहती थी कि आज पीने लायक पानी मिलेगा या नहीं। लेकिन अब कहानी बदल चुकी है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जब बस्ती में नल जल योजना लागू हुई, तो बिंश कुमारी के आंगन में भी नल से स्वच्छ और सुरक्षित जल बहने लगा। यह केवल पानी का प्रवाह नहीं था - यह था एक नए जीवन का प्रवाह पहले जो वक्त पानी ढोने में चला जाता था, अब उसी समय का सदुपयोग वह आत्मनिर्भरता और खुशहाली में कर रही हैं। गांव की अन्य महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में भी अब सुधार दिख रहा है। बिंश कुमारी की कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब सरकार की योजनाएं जन-जन तक पहुंचती हैं, तो वे सिर्फ सुविधाएं नहीं लातीं, बल्कि सपनों को सच करने की राह खोलती हैं। जल जीवन मिशन ने न सिर्फ पानी पहुंचाया, बल्कि बिंश कुमारी जैसे अनगिनत लोगों के जीवन को नया आयाम भी दिया। अब पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता घर में ही साफ पानी मिल रहा है। इससे हमारी ज़िंदगी पहले से कहीं आसान हो गई है।

राशनकार्ड-धारकों को एक साथ मिलेगा 3 महीने का चावल

से 7 जून छत्तीसगढ़ में चलेगा 'चावल उत्सव', 249 राशन दुकानों में की गई विशेष-व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ सरकार 1 से 7 जून तक चावल उत्सव कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस दौरान 81 लाख से अधिक राशनकार्ड धारक परिवारों को 3 महीने का राशन एक मुश्त दिया जाएगा। यानि जून, जुलाई और अगस्त महीने का चावल एक साथ बांटा जाएगा।

चावल उत्सव को लेकर प्रदेश की 13,928 उचित मूल्य दुकानों को चावल का आबंटन जारी कर दिया है। सभी दुकानों में चावल का भंडारण काम तेजी से जारी है। ताकि वितरण में किसी प्रकार की रुकावट ना आए। साथ ही इस पहल से दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों तक समय पर खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

बुधवार को खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने 'चावल उत्सव' की तैयारी के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सभी जिला कलेक्टरों, खाद्य अधिकारियों एवं नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक की।इस दौरान उन्होंने सभी को निर्देश दिए है कि हर उचित मूल्य दुकान में समय से पूर्व चावल का समुचित भण्डारण सुनिश्चित किया जाए। चावल का वितरण दुकान स्तर की निगरानी समिति की उपस्थिति में हो, और प्रत्येक लाभार्थी को ई-पॉस मशीन द्वारा बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण के बाद ही चावल प्राप्त हो। साथ ही लाभार्थियों को वितरित चावल की पावती रसीद अनिवार्य रूप से दी जाए।

खाद्य सचिव कंगाले ने कहा कि, मानसून के दौरान प्रदेश की 249 ऐसे उचित मूल्य दुकानें, जो बारिश के दौरान पहुंच विहीन हो जाती हैं। ऐसे में उन दुकानों में भी विशेष तैयारी की गई है। जून माह में ही इन दुकानों में अग्रिम चावल भण्डारण की कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बारिश के समय भी राशन का वितरण जारी रहे।

बुधवार को हुई बैठक में नागरिक आपूर्ति निगम की प्रबंध संचालक किरण कौशल और खाद्य विभाग के संचालक रमेश शर्मा उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त सभी जिलों के कलेक्टर, खाद्य नियंत्रक जिला खाद्य अधिकारी तथा जिला प्रबंधक,नागरिक आपूर्ति निगम भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए।

संभागीय अधिकारियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान में की सहभागिता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संभाग के सभी जिलों में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान की मानीटरिंग के लिए कमिश्नर बीएस जामोद द्वारा संभागीय अधिकारियों के 6 दल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों के दल ने रीवा जिले के सेमरिया विकासखण्ड में जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन का जायजा लिया। इस संबंध में दल के सदस्य संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी ने बताया कि ग्राम बरा में जल संरक्षण और संवर्धन कार्यों का अवलोकन किया गया। गांव में खेत तालाब तथा स्टापडैम का निर्माण किया जा रहा है। ग्रामवासियों को जल संरक्षण के कार्यों के संबंध में जागरूक किया गया। ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव तथा ग्रामवासियों से जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में जानकारी ली गई। इसके बाद आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से बच्चों के टीकाकरण, पोषण आहार के वितरण, वजन तथा माप के आधार पर बच्चों के पोषण स्तर के निर्धारण एवं टीएचआर वितरण की जानकारी दी गई। निरीक्षण के समय अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल प्रभा पाण्डेय तथा अन्य सदस्य शामिल रहे।

पाकिस्तान से सटे 4 राज्यों में आज मॉक ड्रिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 दिन पहले 7 मई को देश के 244 सिविल डिफेंस जिलों में मॉक ड्रिल हुई थी। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी गई थी। पाकिस्तान से सटे राज्यों में कल यानी गुरुवार की शाम मॉक ड्रिल होगी। इनमें जम्मू-कश्मीर, गुजरात, हरियाणा और राजस्थान शामिल हैं। वहीं, पंजाब में 3 जून को ड्रिल होगी। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। इससे पहले 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल हुई थी। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी गई। यह इसलिए किया गया ताकि युद्ध की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में हुई थी। तब भारत और पाकिस्?तान के बीच युद्ध हुआ था। यह मॉक ड्रिल युद्ध के दौरान हुई थी। दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीरऔर पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है।

भाजपा सांसद बोले- आतंकी फिर हमले की तैयारी में थे

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा है कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद आतंकी भारत में फिर से अटैक की तैयारी कर रहे थे। इसलिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। मनन मिश्रा ने 27 मई को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआर कांगो) में कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम की घटना के बाद भारत ने 15 दिनों तक इंतजार किया। हमें उम्मीद थी कि पाकिस्तान खुद आतंकियों के खिलाफ एक्शन लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके उलट, हमारी खुफिया एजेंसियों ने बताया कि आतंकी फिर से भारत में हमले की तैयारी कर रहे हैं। तभी, 7 मई को भारत ने आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें 100 आतंकी मारे गए। मनन मिश्रा आतंकी हमले पर दुनिया को भारत का पक्ष बताने के लिए अलग-अलग देशों में गए 7 में से एक डेलिगेशन का हिस्सा हैं। शिवसेना सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में एक डेलिगेशन ने मंगलवार को कांगो के सांसदों और नेताओं के सामने भारत का पक्ष रखा। मनन मिश्रा इसी डेलिगेशन में शामिल हैं।

किसानों को मिलेगी अब फसलों की ज्यादा कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस (रूक्क) बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने आज यानी 28 मई को यह फैसला लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है। कपास की नई एमएसपी 7,710 रुपए तय की गई है। इसकी एक दूसरी किस्म की नई एमएसपी 8,110 रुपए कर दी गई है, जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है।

पूरा देश मना रहा है देवी अहिल्याबाई का 300वां जन्म जयंती वर्ष - मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। भारत देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में एक आदर्श प्रस्तुत किया। दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, अवरोध थे, कठिनाईयां थीं, दुश्वारियां थीं, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सारी कठिनाईयों से लड़कर और जूझकर उन्होंने अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से आत्मीय संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की छात्राओं से उनके क्लासरूम में सीएम की पाठशाला लगाई और सभी बेटियों से गुरूतुल्य व पितातुल्य संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को मध्यप्रदेश की महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं के आल्हाद में सहभागी बनकर उनके साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने अकबर की सेना के साथ लड़ाई की और अंततः खुद को न्यौछावर कर दिया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को बताया कि महारानी दुर्गावती ने जबलपुर में आधारताल, मदन महल बनाया। ऐसी जल संरचनाएं बनवाईं कि एक तालाब भरने के बाद अगला तालाब, उसके बाद उसके अगले तालाब में जल संरक्षण होता रहा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखदेव सिंह ढींढसा का निधन

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में अकाली दल के प्रमुख नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखदेव सिंह ढींढसा का बुधवार को निधन हो गया। वे 89 साल के थे। वे पिछले कुछ समय से बीमार थे। उन्होंने मोहाली के अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे 14वीं लोकसभा के लिए पंजाब के संगरूर से चुने गए थे। 2019 में उन्हें केंद्र सरकार ने पद्मभूषण अवॉर्ड से सम्मानित किया था,लेकिन उन्होंने 2020 में किसान आंदोलन के दौरान अवॉर्ड लौटा दिया था। वे वर्ष 2000 से 2004 तक केंद्र की अटल बिहारी वायपेयी सरकार में मंत्री रहे।

मुंबई में तेज बारिश, राजस्थान में गर्मी-बारिश और धूलभरी आंधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 17 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। बुधवार को मानसून समय से 12 दिन पहले छत्तीसगढ़ और 13 दिन पहले ओडिशा पहुंचा। दोनों राज्यों के कुछ जिलों में तेज बारिश हुई।

महाराष्ट्र के मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ में आज भारी बारिश हो रही है। यहां बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बदलापुर, उल्हासनगर, कल्याण, डोंबिवली और ठाणे के अलग-अलग इलाकों में जलभराव हो गया है।

राजस्थान में मौसम का तीन रूप देखने को मिल रहे हैं। बूंदी जिले में तेज गर्मी पड़ रही है। यहां के गांव में वृद्ध महिला की मौत हुई। जांच में हीटवेव से मौत की बात सामने आई। उदयपुर, चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा में बारिश जारी है। जैसलमेर में सुबह से रेत का गुबार (धूलभरी आंधी) है।मध्यप्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में मंगलवार को बारिश हुई।

केंद्रीय कैबिनेट की दो मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी कैबिनेट की बुधवार को दिल्ली में मीटिंग हुई। इस डेवलपमेंट से जुड़े 5 फैसले किए गए। केंद्र सरकार ने 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस बढ़ाई। साथ ही केंद्र सरकार ने 2025-26 के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को जारी रखने का फैसला किया है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बताया कि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भारतीय रेलवे की दो मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। इसके तहत रतलाम-नागदा के बीच तीसरी और चौथी लाइन डाली जाएगी। साथ ही वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन टाली जाएगी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ है। इन्हें 2029-30 तक पूरा किया जाएगा। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में बदवेल-नेल्लोर के बीच 108 किलोमीटर लंबे फोर-लेन हाईवे परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना की लागत ?3653 करोड़ है।

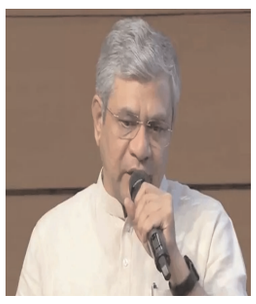

थरूर बोले-भारत शांति चाहता है, पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पनामा के दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि भारत अकेले शांति से जीना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता।

उन्होंने साफ किया कि भारत युद्ध नहीं चाहता था, लेकिन आतंकवादियों को सजा दिए बिना नहीं छोड़ा जा सकता। थरूर ने कहा कि पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ आतंकी हमलों को बढ़ावा दे रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर इसलिए शुरू किया क्योंकि पाकिस्तान ने पहलगाम में हुए आतंकी

हमले के अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी।

आतंकवाद के खिलाफ पनामा का भारत को समर्थन थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पनामा की यात्रा पर पहुंचा है। इसमें भाजपा, कांग्रेस और दूसरे दलों के सांसद भी हैं। इस यात्रा का मकसद दुनिया को भारत की आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और सख्त रवैये का संदेश देना है।

इस मुलाकात के बाद पनामा ने भारत के समर्थन का ऐलान किया है। पनामा की असेंबली की अध्यक्ष डाना कास्टानेडा ने कहा है कि पनामा शांति के इस अभियान में भारत के साथ खड़ा होना चाहता है, और हमें उम्मीद है कि हम आतंकवाद को हरा सकते हैं।

राष्ट्रपति शासन वाले मणिपुर में नई सरकार बनाने की तैयारी

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, एनएनपी और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा विधायक

थोकचोम राधेश्याम ने कहा, कांग्रेस को छोड़कर 44 विधायक मणिपुर में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। नई सरकार के गठन का विरोध करने वाला कोई नहीं है। मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत ने 44 विधायकों से मुलाकात की है।

दूसरी तरफ, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत केंद्रीय नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली रवाना हो गए हैं। जल्द ही सरकार बनाने पर आलाकमान का फैसला आ सकता है। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं।

कमल हासन बोले- तमिल भाषा से निकली कन्नड़

चेन्नई (एजेंसी)। शनिवार, 24 मई को चेन्नई में फिल्म 'ठग लाइफ' के ऑडियो लॉन्च के दौरान कमल हासन ने कहा था कि तमिल भाषा ने कन्नड़ भाषा को जन्म दिया। इस बयान का कर्नाटक में जोरदार विरोध हो रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमय्या ने इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कन्नड़ भाषा का इतिहास बहुत पुराना है। कमल हासन को इसकी जानकारी नहीं है। हासन के बयान से प्रो-कन्नड़ संगठन कर्नाटक

रक्षण वेदिके में भी गहरा रोष है। संगठन के नेता प्रवीण शेट्टी ने बेंगलुरु के आरटी नगर पुलिस स्टेशन में एक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि हर बार जब कोई नई तमिल फिल्म रिलीज होती है, तब लगातार कन्नड़वासियों के आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाई जाती है। अभिनेता द्वारा दिया गया विवादित बयान न केवल कन्नड़वासियों की भावनाओं को आहत करता है, बल्कि इससे उनकी और तमिलों के बीच नफरत की जड़ें भी मजबूत हुई हैं और अपमान हुआ है। इसके अलावा, उन्होंने कमल हासन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग की है।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ सरकार महाभियोग ला सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैश कांड मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ केंद्र सरकार संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही है। सरकार से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया कि 15 जुलाई के बाद शुरू होने वाले मानसून सत्र में यह प्रस्ताव लाया जा सकता है। हालांकि सरकार अभी इस बात का इंतजार कर रही है कि जस्टिस वर्मा खुद इस्तीफा दे दें। दरअसल, जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी थी। उनके घर के स्टोर रूम से 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। जिसके बाद उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था। 22 मार्च को इस मामले में तत्कालीन सीजेआई ने जांच समिति बनाई थी। कमेटी ने 3 मई को रिपोर्ट तैयार की और 4 मई को सीजेआई को सौंपी थी।

भारत में बने कावेरी इंजन की रूस में फ्लाइंग टेस्टिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बने कावेरी जेट इंजन की फ्लाइंग टेस्टिंग डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन रूस में कर रहा है। ये रियल सिचुएशन में इंजन की कैपेसिटी आंकने के लिए अहम है। अधिकारियों ने बताया इंजन पर करीब 25 घंटे का परीक्षण होना बाकी है। स्लॉट मिलने पर टेस्टिंग की जाएगी। इसकी कैपेसिटी शोकेस के लिए इसे एक

लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट में लगाने का प्लान है। शुरुआत में कावेरी इंजन को तेजस जैसे स्वदेशी एलसीए में लगाने का प्लान था, लेकिन प्रोग्राम में देरी के चलते तेजस में अमेरिकी इंजन जीई-404 लगाया गया। इस इंजन को अब भारत में बने लंबी दूरी के घातक अनमैंड एयर व्हीकल यानी स्टेल्थ ड्रोन की पावर बढ़ाने के लिए फिर से तैयार किया जा रहा है।

कर्नल सोफिया मामला-सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को सुनवाई से रोका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी से विवादों में घिरे मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के मामले की सुनवाई हुई। जस्टिस जेजे सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने मामला सुना। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- एसआईटी ने 21 मई को जांच की, वो बयान देने वाली जगह गई थी। मोबाइल समेत कुछ सबूत भी इकट्ठा किए गए। गवाहों के बयान लिए गए। जांच अभी शुरुआती चरण में है। हाईकोर्ट से हमारी रिक्वेस्ट है कि वो हमारे साथ-साथ सुनवाई न करे। एसआईटी ने तय तारीख को जांच रिपोर्ट पेश कर दी। एसआईटी ने कुछ और समय मांगा है। इस मामले की सुनवाई अब जुलाई के पहले हफ्ते में होगी।

एक अधिकारी तीनों सेनाओं के जवानों पर एक्शन ले सकेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में तीनों सेनाओं के जवानों पर अब एक ही अधिकारी एक्शन ले सकेगा। 27 मई से इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन नियम लागू कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी किया। नए कानून बनने से इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन के तहत एक कमांडर-इन-चीफ/ऑफिसर-इन-कमांड की नियुक्ति होगी। यह कमांडर सैनिकों पर कंट्रोल करने, कार्रवाई करने में सक्षम होगा। फिर सैनिक किसी भी सेना से जुड़ा हो। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद बन गया था कानून इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन बिल दो साल

पहले मानसून सत्र में संसद में पेश और पारित किया गया था। 15 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसे 10 मई 2024 से लागू किया गया। सरकार ने बुधवार को नए नियमों को भी आधिकारिक रूप से राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित (गजटेड) कर दिया गया है।

देश में कोरोना के 1200 केस, अबतक 12 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 1200 पहुंच गई है। महाराष्ट्र एक्टिव केसेज के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 325 मरीज हैं। इनमें से 316 मरीज सिर्फ मुंबई में हैं। इसके बाद केरल में सबसे ज्यादा 430 कोरोना पेशेंट हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र में 66, कर्नाटक में 36, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए मामले सामने आए हैं। नॉर्थ-ईस्ट में भी कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। अरुणाचल प्रदेश में मंगलवार को 2 महिलाएं कोरोना पॉजिटिव पाई गईं। इनमें एक को बुखार और हल्की खांसी है, जबकि दूसरी महिला में कोई लक्षण नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में मंगलवार को 78 साल के कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह राज्य में कोविड के नए वैरिएंट से पहली मौत है। इसके अलावा, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम

बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। कुल मृतक की संख्या 12 पहुंच गई है। प्रधानमंत्री मोदी के 29-30 मई को यूपी-बिहार दौरे के मद्देनजर राज्य का स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट है।

निर्देश दिया गया है कि पीएम के 100 मीटर के दायरे में रहने वाले सभी लोगों की कोरोना जांच होगी। जयपुर में 26 मई को कोरोना के दो मरीजों की मौत हो गई। इनमें से एक रेलवे स्टेशन पर मृत मिला था। उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दूसरी मौत प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की हुई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी।

वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे में एक कोरोना पॉजिटिव महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। ठाणे में ही 25 मई (रविवार) को अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के युवक की मौत हो गई। उसका 22 मई से इलाज चल रहा था।

इससे पहले 17 मई को कर्नाटक के बेंगलुरु में 84 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया था कि बुजुर्ग की मौत मल्टी ऑर्गन फेल्योर की वजह से हुई थी। 24 मई को उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। केरल में दो लोगों की कोविड से मौत हुई है।

ऋषभ पंत पर धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मंगलवार को यहां खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल की मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया, ''यह धीमी ओवर गति से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत उनकी टीम का सत्र का तीसरा अपराध था, इसलिए ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।'' विज्ञप्ति के अनुसार, ''इम्पैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल अन्य खिलाड़ियों में से प्रत्येक पर 12 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया है।'' पंत की 61 गेंदों पर नाबाद 118 रन की शानदार पारी के बावजूद मेजबान लखनऊ को इस मैच में छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

आईपीएल फाइनल में गूंजेगा जय हिंद!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि तीनों सेनाओं के प्रमुखों, शीर्ष रैंक वाले अधिकारियों और सैनिकों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल के लिए निमंत्रण भेजा गया है, जो 3 जून को अहमदाबाद में होगा। आईपीएल का खिताबी मुकाबला 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के कारण टूर्नामेंट के चल रहे संस्करण को 9 मई को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर भी चलाया था। बीसीसीआई द्वारा यह कदम ऑपरेशन की सफलता का जश्न मनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। सैकिया ने एएनआई को बताया कि हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल फाइनल के लिए सभी भारतीय सशस्त्र सेना प्रमुखों (जनरल उपेंद्र द्विवेदी, थल सेना प्रमुख, एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, नौसेना प्रमुख और एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, वायु सेना प्रमुख), शीर्ष रैंक के अधिकारियों और सैनिकों को आमंत्रित किया है। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की निर्णायक सैन्य प्रतिक्रिया थी। 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए। हमले के बाद, पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा और जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से गोलाबारी की और साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन हमलों का प्रयास किया

अब हमारी टीम का लक्ष्य आईपीएल ट्रॉफी उठाना-शशांक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने कहा है कि उनकी टीम को लक्ष्य इस बार आईपीएल खिताब जीतना है। शशांक ने कहा है कि अंक तालिका में शीर्ष दो पर आना अच्छी बात है पर अभी उनका काम पूरा नहीं हुआ है। पंजाब किंग्स ने अंतिम लीग मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में जगह बनायी है। अब उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो अवसर मिलेंगे। यह पिछले 11 साल में पहला अवसर है जबकि पंजाब किंग्स की टीम प्लेऑफ में पहुंची है।

शशांक ने कहा, 'यह वास्तव में अच्छा अहसास है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें सभी ने एकजुट होकर प्रयाय किये। साथ ही कहा कि नीलामी के ठीक बाद से भी सभी ने आपस में खिताब जीतने को लेकर बात की थी। हमारा पहला लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना था और हमने इसे हासिल कर लिया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्वास और कड़ी मेहनत से ही टीम यहां तक पहुंची है। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को कहना अलग चीज है और उस पर अमल करना अलग। हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका टीम से जुड़े हर एक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी बड़ी लीग में शीर्ष दो में रहना आसान नहीं है। शशांक ने कहा, 'शीर्ष दो में जगह बनाने के बाद अब हम ट्रॉफी उठाना चाहते हैं।

प्लेऑफ का पूरा शेड्यूल, जानें टाइमिंग,वेन्यू समेत फुल डिटेल्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। 29 मई, गुरुवार से आईपीएल 2025 के प्लेऑफ के मुकाबलों का आगाज होने जा रहा है। इस सीजन के लीग मैच खत्म हो गए हैं जिसके तहत सभी 10 टीमों के बीच 70 मुकाबले खेले गए। पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस, आरसीबी और मुंबई इंडियंस ने प्लेऑफ क्वालीफाई किया है। आईपीएल 2025 का पहला क्वालीफायर पंजाब किंग्स और आरसीबी के बीच 29 मई को खेला जाएगा। ये मुकाबला चंड़ीगढ़ के मुल्लानपुर में खेला जाएगा। मैच का टॉस शाम 7 बजे से होगा, वहीं मुकाबले की शुरुआत साढ़े सात बजे से होगी। इस मैच को जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश कर जाएगी, वहीं हारने वाली टीम को दूसरा क्वालीफायर खेलना होगा।

शुक्रवार, 30 मई को न्यू चंड़ीगढ़ के मुल्लानपुर में एलिमिनेटर मैच होगा। एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच होगा। इस मैच को जीतने वाली टीम पहला क्वालीफायर हारने वाली टीम के साथ दूसरा क्वालीफायर खेलेगी। मैच का टॉस शाम सात बजे होगा, वहीं मुकाबले की शुरुआत 7.30 बजे से होगी। रविवार, 1 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दूसरा क्वालीफायर मुकाबला खेला जाएगा। एलिमिनेटर मैच की विजेता टीम और क्वालीफायर-1 हारने वाली टीम के बीच क्वालीफायर-2 खेला जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। मैच का टॉस शाम सात बजे होगा जबकि साढ़े सात बजे मुकाबले की शुरुआत होगी।

इसके बाद 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। खिताबी मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। क्वालीफायर 1 और क्वालीफायर 2 जीतने वाली टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। हालांकि, आईपीएल में क्वालीफायर और एलिमिनेटर मैच में रिजर्व डे नहीं होता है। वैसे अब तक आईपीएल में कभी भी क्वालीफायर और एलिमिनेटर मैच बारिश में नहीं धुआ है। बारिश को देखते हुए बीसीसीआई ने एक्स्ट्रा टाइम दो घंटे का रखा है। इसका मतलब अगर साढ़े 9 बजे भी मैच शुरू होता है तो भी मैच पूरे 20 ओवर का खेला जाएगा। अगर बारिश के कारण बिल्कुल भी मैच नहीं हो पाया तो फिर लीग स्टेज में पॉइंट्स टेबल में ऊपर रहने वाली टीम आगे बढ़ेगी। यानी उस मैच की विजेता होगा। खिताबी मैच के लिए रिजर्व डे रखा गया है।

ऋषभ पंत का शतक गया बेकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में लगातार फ्लॉप प्रदर्शन करने के बाद आखिरकार लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत के बल्ले से आखिरी लीग स्टेज मैच में सेंचुरी निगल ही गई। मंगलवार, 27 मई की शाम को आरसीबी के खिलाफ पंत ने नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए ना सिर्फ रन बनाए बल्कि शतक भी ठोका। उनके शतक के दम पर एलएसजी ने 227 रन का स्कोर भी बनाया। लेकिन शतक बनाने के बाद भी पंत के हाथ निराशा लगी। आरसीबी ने उनके शतक पर पानी फेरकर 6 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद बीसीसीआई ने भी पंत को 30 लाख का जुर्माना ठोक कर बड़ा झटका दिया। ऋषभ पंत की टीम लखनऊ सुपर जाएंट्स आरसीबी के खिलाफ स्लो ओवर रेट की दोषी पाई गई जिस कारण पंत पर ये जुर्माना लगाया गया। लखनऊ ने इस सीजन में ये सजा भुगती है। पंत के साथ टीम पर भी भारी जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल की प्रेस रिलीज के अनुसार, एलएसजी के कप्तान पंत पर जुर्माना लगाया गया है कि क्योंकि उनकी टीम ने मंगलवार को एकाना स्टेडियम में आरसीबी के खिलाफ आईपीएल 2025 के मैच नंबर 70 के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखी।

चूंकि ये न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत उनकी टीम का सीजन का तीसरा अपराध था इसलिए पंत पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से या तो 12 लाख रुपये का उनकी संबंधित मैच फीस का 50 फीसदी जो भी कम हो का जुर्माना लगाया गया।

गौतम गंभीर ने मानी रोहित शर्मा की ये बात, इस शख्स की टीम में कराई वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 खत्म होने के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड का दौरा करेगी। जहां उसे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज से पहले टीम इंडिया में एक अहम शख्स की एंट्री हुई है। इस शख्स का नाम है टी दिलीप जो कि भारतीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच हैं। टी दिलीप का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था और टीम इंडिया से अलग हो गए थे लेकिन अब एक बार फिर वो टीम से जुड़ गए हैं। वो अगले एक साल तक भारतीय टीम के साथ रहेंगे। बता दें कि, टी दिलीप का सेलेक्शन रोहित शर्मा के कारण हुआ है। रोहित शर्मा ने टी दिलीप के सेलेक्शन के लिए हेड कोच गौतम गंभीर से बातचीत की। दरअसल, क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित शर्मा ने बीसीसीआई और हेड कोच गौतम गंभीर से निजी तौर पर बातचीत की और टी दिलीप को टीम इंडिया से जुड़वाया। रोहित शर्मा ने टेस्ट से रिटायरमेंट लेने से पहले बीसीसीआई और गंभीर से बातचीत कर उन्हें मनाया कि टी दिलीप को दोबारा फील्डिंग कोच बनाया जाए। मंगलवार को इस तरह की खबरें आई थी कि बोर्ड को टी दिलीप का कोई रिप्लेसमेंट नहीं मिला इसलिए उन्हें दोबारा फील्डिंग कोच बना दिया है। टी दिलीप को अप्रैल में अभिषेक नायर के साथ टीम इंडिया से बाहर कर दिया था। अब टी दिलीप एक साल तक भारतीय टीम के साथ रहेंगे। टी दिलीप पिछले तीन सालों से भारतीय टीम के साथ हैं। उन्हें पहली बार साल 2021 में टीम इंडिया से जोड़ा गया था। वो भारतीय खिलाड़ियों के काफी करीब भी हैं। इसलिए इंग्लैंड जैसी बड़ी सीरीज के लिए उन्हें दोबारा टीम में रखना अच्छी बात है।

भारत ने मिक्स्ड रिले में गोल्ड मेडल अपने नाम किया, तेजस्विन शंकर, रूपल चौधरी और पूजा छाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले टीम ने साउथ अफ्रीका के गुमी में 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन किया। भारतीय 4ङ्क400 मीटर मिक्स्ड रिले टीम ने अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा। अलग-अलग स्पर्धाओं में 4 सिल्वर और एक कांस्य पदक जीतने के बाद भारत ने दूसरे दिन 28 मई तक कुल 8 पदक जीते। इन पदकों में गुलवीर सिंह का गोल्ड मेडल भी शामिल है।

बता दें कि, गुलवीर सिंह ने 10,000 मीटर में गोल्ड जीता था। तो रुपल चौधरी, संतोष कुमार, विशाल टीके और सुभा वेंकटेशन की भारतीय चौकड़ी ने 3ः18.12 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। चीन की टीम 3ः20.52 सेकंड का समय लेकर दूसरे स्थान पर रही, जबकि श्रीलंका ने 3ः21.95 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। अमेरिका में रहने वाले तेजस्विन शंकर भारत के सिल्वर मेडलिस्टों में से एक थे। तेजस्विन शंकर ने 7618 का स्कोर जमा करके डेकाथलॉन में दूसरा स्थान हासिल किया। वह चीन के फेई जियांग से पीछे और जापान के कीसुके ओकुडा से आगे रहे।

रूपल ने दिन में पहले महिला 400 मीटर स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीता। रूपल और पूजा मामूली अंतर से गोल्ड जीतने से चूक गईं। दोनों को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। इससे पहले पुरुष 1500 मीटर में भारत के यूनुस शाह ने देश के लिए कांसा जीता।

ये 5 खिलाड़ी हैं पर्पल कैप के दावेदार, हेजलवुड-बुमराह भी रेस में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुका है। लीग स्टेज के मुकाबले खत्म हो गए हैं और अब प्लेऑफ की भिड़ंत होगी। टूर्नामेंट में जहां टीमों के बीच खिताब को लेकर रेस दिलचस्प होगी वहीं दूसरी तरफ पर्पल कैप की भी भिड़ंत में खिलाड़ियों के बीच देखी जाएगी। फिलहाल, अभी तक खेले गए 70 मैचों के बाद पर्पल कैप चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद के पास रही जिन्होंने 24 विकेट चटकाए। लेकिन सीएसके प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई तो नूर अहमद इस रेस से बाहर हो गए हैं। अब इस लिस्ट में पंजाब किंग्स, आरसीबी, गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस की टीमें हैं जो प्लेऑफ में भिड़ेंगी और उनके गेंदबाजों के पास अभी भी नंबर-1 बनने का मौका है।

प्रसिद्ध कृष्णा

गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा 23 विकेट के साथ इस भिड़ंत में दूसरे नंबर पर है प्रसिद्ध कृष्णा नूर अहमद से महज एक विकेट ही दूर हैं। जीटी को 30 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबला खेलना है। अगर टीम फाइनल तक का सफर तय करती है तो प्रसिद्ध कृष्णा के पास पर्पल कैप अपने नाम करने के तीन मौके होंगे। वह ज्यादा से ज्यादा विकेट झटकर ना सिर्फ पर्पल कैप अपने नाम करेंगे बल्कि टीम को दूसरी बार खिताब जीतने में भी अहम भूमिका निभाएंगे।

ट्रेंट बोल्ट

मुंबई इंडियंस के ट्रेंट बोल्ट ने इस सीजन में बल्लेबाजों को अपना रौद्र रूप दिखाया है। पावरप्ले में उनका ऐसा जादू चला कि उन्होंने बल्लेबाजों को अपनी उंगलियों पर नचाया है। वह टॉप पर बैठे नूर अहमद से महज 5 विकेट दूर हैं। अगर जीटी की तरह मुंबई भी फाइनल तक का सफर करती है तो बोल्ट के पास भी सबसे ज्यादा विकेट लेने के तीन मौके होंगे।

जोश हेजलवुड

वहीं आरसीबी के जोश हेजलवुड ने चोटिल होने के कारण बीच में कुछ मुकाबले मिस किए थे। इसके बावजूद भी वह पर्पल कैप की रेस में चौथे नंबर पर बने हुए हैं। उन्होंने 10 मैचों में कुल 18 विकेट झटके हैं।

अगर वह आने वाले मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे तो वह पर्पल कैप पर तो अपना कब्जा करेंगे ही साथ ही उनकी बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत आरसीबी पहली बार खिताब अपने नाम करने में कामयाब हो सकती है।

अर्शदीप सिंह

पंजाब किंग्स के सबसे सफल गेंदबाज इस सीजन अर्शदीप सिंह रहे हैं, जिन्होंने 14 मैचों में 18 शिकार किए हैं। अर्शदीप पावरप्ले के अलावा डेथ ओवर में भी अपनी बेहतरीन यॉर्कर से बल्लेबाजों को गच्चा दे रहे हैं। प्लेऑफ्स में उनकी नजरें भी पर्पल कैप की रेस में नंबर-1 बनने पर होगी।

जसप्रीत बुमराह

एमआई के जसप्रीत बुमराह 17 विकेट के साथ इस समय 7वें पायदान पर हैं। चोट के कारण वह सीजन के शुरुआती 4 मैच से बाहर ते। हालांकि, बुमराह अब पूरानी वाली लय में दिखे।

इन 3 कारणों से आईपीएल 2025 खिताब की हकदार है रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के सभी लीग मैच खत्म हो चुके हैं और अब 29 मई, गुरुवार को क्वालीफायर 1 पंजाब और आरसीबी के बीच खेला जाएगा। वहीं एलिमिनेटर फर्स्ट गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच होगा। इनमें से जो भी टीम क्वालीफायर और एलिमिनेटर राउंड का पारकर आगे बढ़ेगी, वो आईपीएल का फाइनल मुकाबला खेलेगी। आईपीएल 2025 का फाइनल 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

आरसीबी की टीम इस सीजन आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। आरसीबी की टीम लगातार टीम मैच जीतकर पहले क्वालीफायर में पहुंच गई है। इस टीम का मुकाबला पंजाब किंग्स से होने वाला है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब की टीम ने 11 साल बाद आईपीएल में प्लेऑफ में क्वालीफाई किया है। लेकिन केवल पहला क्वालीफायर ही नहीं, बल्कि आईपीएल का खिताब भी विराट कोहली की आरसीबी जीत सकते हैं। यहां जानते हैं कि वो तीन कारण कौन से हैं, जिनकी वजह से बेंगलुरु की टीम फाइनल मुकाबला जीत सकती है।

आरसीबी के जीतने का पहला कारण है, टीम की बल्लेबाजी। पिछले कई सीजन से टीम कै बल्लेबाजी केवल टॉप 3 ऑर्डर तक ही निर्भर थी। वहीं इस आईपीएल के 18वें सीजन में ये ट्रेंड बदल गया है। टीम की बल्लेबाजी में गहराई नजर आ रही है। इस सीजन हर एक बल्लेबाज टीम के लिए मैच विनर साबित हुआ है। इस टीम में कई बड़े नाम विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या और टिम डेविड जैसे कई बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं।

बेंगलुरु की टीम में इस बार सबसे बड़ा बदलाव है कि ये टीम केवल घर में ही नहीं, बल्कि घर के बाहर भी बेहतर परफॉर्मेंस दे रही है। इस सीजन आरसीबी ने बेंगलुरु के बाहर होने वाले सभी सात के सात मैच जीते हैं। वहीं, आरसीबी, लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच में अपना सबसे बड़ा रन चेज करके क्वालीफायर फर्स्ट में पहुंची है।

आरसीबी की गेंदबाजी में भी इस बार कई नाम शामिल हैं। टीम केवल दो बेहतर गेंदबाज के साथ नहीं, बल्कि 4 से 5 प्रॉपर बॉलर के साथ मैदान में उतरनी है, जिससे टीम रन डिफेंड करते समय भी जीत हासिल कर सकती है। भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, क्रुणाल पंड्या और लुंगी एनगिडी जैसे गेंदबाजों ने टीम को मजबूत बनाया है।

चित्रकूट पहुंचे सेना प्रमुख ने कहा- डॉक्टर भगवान के बाद सबसे बड़े

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय सेना के सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी अपनी पत्नी के साथ बुधवार को चित्रकूट पहुंचे। उन्होंने यहां श्री तुलसीपीठ में जगद्गरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया और श्री राघव जू सरकार के दर्शन किए।

जगद्गरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय के दिव्यांग विद्यार्थियों ने जनरल द्विवेदी के सम्मान में योग प्रदर्शन एवं संगीत प्रस्तुति दी, जिसे उन्होंने अत्यंत सराहना के साथ देखा और विद्यार्थियों की प्रतिभा की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

इसके बाद जनरल द्विवेदी ने दिव्यांग विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को किट वितरित कीं। उन्होंने तुलसीप्रज्ञा चक्षु उच्च माध्यमिक दिव्यांग विद्यालय के विद्यार्थियों को भी विभिन्न उपहार प्रदान किए। द्विवेदी लगभग 5 घंटे के प्रवास पर रहे। यहां उन्होंने जगद्गरु रामभद्राचार्य से आध्यात्मिक विषय पर चर्चा की।

सदगुरु नेत्र चिकित्सालय में किया भ्रमण: जनरल द्विवेदी पत्नी सुनीता द्विवेदी के साथ सदगुरु नेत्र चिकित्सालय भी पहुंचे। यहां डॉ. ईलेश जैन, डॉ. आलोक सेन और श्री सुबीश के. ने उन्हें पूरे चिकित्सा प्रकल्प का भ्रमण कराया। जनरल ने यहां विट्रियो रेटिना और मोतियाबिंद के प्रशिक्षु डॉक्टरों के लिए लाई गई मॉडर्न सिमुलेटर मशीन का उद्घाटन किया। यह मशीन इस क्षेत्र में पहली बार लगाई गई है।

इस मौके पर उन्होंने कहा, मैं एक चिकित्सा पृष्ठभूमि से आता हूं और मानता हूं कि डॉक्टर भगवान के बाद सबसे बड़े होते हैं। नेत्र चिकित्सा हमारे सैनिकों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां जो सेवा हो रही है, वह निस्संदेह मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने पद्मश्री डॉ. बुधेन्द्र कुमार जैन को सम्मान मिलने पर बधाई दी और कहा कि सेना के अधिकारियों को इस सेवा कार्य को देखकर प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने भारतीय सेना की ओर से डॉ. जैन को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

ट्रस्ट की ओर से सम्मान: कार्यक्रम के अंत में ट्रस्टी डॉ. बी.के. जैन ने जनरल द्विवेदी और श्रीमती द्विवेदी का धन्यवाद किया। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में सेना के शौर्य की प्रशंसा की और जनरल द्विवेदी को इसके लिए बधाई दी।

जनरल द्विवेदी के बड़े भाई भी पहुंचे: इस मौके पर मंच पर श्रीमती उषा जैन, डॉ. पी.सी. द्विवेदी (जनरल द्विवेदी के बड़े भाई), डॉ. रंजीत एच. मणियार, कर्नल एस.के. मिश्रा, और डॉ. ईलेश जैन उपस्थित रहे। सदगुरु परिवार और उपस्थित गणमान्यजनों ने इस अवसर को गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक बताया।

आठ साल के बेटे ने पिता पर लगाया मां की हत्या का आरोप

सतना में फंदे पर मिली थी अतिथि विद्वान, पिता बोले- दहेज के लिए प्रताड़ित किया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना शहर के बरदाडीह मोहल्ले में दो दिन पहले 26 मई की सुबह अपने कमरे में फंदे से लटकी मिली अतिथि विद्वान डॉ. स्नेहल सिंह की मौत के मामले में नया मोड़ आया है। स्नेहल के 8 साल के बेटे ने अपने पिता अभिषेक सिंह उर्फ वरुण पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

स्नेहल के बेटे ने बताया कि पापा बुरे इंसान हैं। हमेशा मम्मी के साथ झगड़ा करते थे। एक बार तो बॉल फेंक कर भी मारे थे। उसका कहना है कि मेरी मां को पापा ने मारा है। अब मैं नाना के पास ही रहूंगा, पापा के पास नहीं जाऊंगा।

मृतका के पिता अतुल्य कुमार सिंह (62) ने एसपी को आवेदन दिया है। उन्होंने बेटी की मौत के लिए दामाद अभिषेक सिंह, ससुर उमेश सिंह और सास माया सिंह को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने लिखा है कि "बेटी को शादी के बाद से ही दहेज के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।"

13 साल पहले हुई थी शादी: स्नेहल की शादी 13 साल पहले बरदाडीह शुक्ला निवासी अभिषेक सिंह से हुई थी। वह वर्तमान में सिंगरौली के शासकीय महाविद्यालय में अतिथि विद्वान थीं। उनका मायका सतना के सिविल लाइन क्षेत्र स्थित मंदाकिनी विहार कॉलोनी में है।

दादी के निधन पर मायके आई थीं: 22 मई को दादी के निधन पर स्नेहल सतना आई थीं। 25 मई की रात करीब 8.30 बजे ससुराल से फोन आया कि सास की तबीयत खराब है, सुबह रीवा ले जाना है। इसके बाद भाई अभ्युदय ने रात 9.30 बजे स्नेहल को ससुराल छोड़ दिया। पिता ने बताया कि रात 11.30 बजे स्नेहल के नंबर से अभिषेक ने उनकी पत्नी प्रमिला को कॉल कर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

सुबह दरवाजा नहीं खोला, फंदे पर झूलती मिलीं: 26 मई की सुबह 8.58 बजे ससुराल से सूचना मिली कि स्नेहल दरवाजा नहीं खोल रही हैं। मायके पक्ष मौके पर पहुंचा। दरवाजा तोड़कर देखा गया तो स्नेहल फंदे से झूलती मिलीं।

अवैध वसूली के आरोप में आरक्षक निलंबित, एसपी ने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में ऑटो चालक से कथित अवैध वसूली के आरोप में ट्रैफिक विभाग के आरक्षक पुष्पराज द्विवेदी को एसपी विवेक सिंह ने निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई ऑटो चालक की शिकायत के बाद हुई है। ऑटो चालक ने आरोप लगाया था कि आरक्षक पुष्पराज द्विवेदी ने उसे सिरमौर चौराहे पर रोका। चालान बनाने के बहाने उसे एक गली में ले गए और 1000 रुपये की मांग करने लगे। ऑटो चालक ने इसका विरोध किया और पैसे देने से इनकार कर दिया। इसके बाद मामला एसपी तक पहुंचा।

एसपी विवेक सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से आरक्षक नंबर 514, पुष्पराज द्विवेदी को निलंबित कर दिया। आरक्षक की ड्यूटी सिरमौर चौराहे पर थी। एसपी ने अन्य पुलिसकर्मियों को भी चेतावनी दी है कि वे ऐसे कृत्यों से बचें, अन्यथा उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, आरक्षक पुष्पराज द्विवेदी की भर्ती अनुकंपा नियुक्ति पर हुई थी। उनके पिता भी रीवा यातायात विभाग में पदस्थ थे और रिटायरमेंट से पहले उनका निधन हो गया था, जिसके बाद पुष्पराज द्विवेदी को यह नौकरी मिली थी।

दो बाइक के बीच टक्कर में तीन लोग हुये गंभीर रूप से घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गुढ़ थाना अंतर्गत महसांव में रेडियो स्टेशन के समीप बुधवार की दोपहर दो बाइक के बीच सीधी टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए हैं। घायलों को उपचार के लिए एंबुलेंस की मदद से संजय गांधी अस्पताल लाया गया है। जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के मुताबिक हादसे के वक्त में एक बाइक पर दो लोग सवार थे जबकि दूसरी बाइक में एक युवक सवार था। दोनों बाइकों के बीच हुई टक्कर के बाद तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। अचेत अवस्था में तीनों युवकों को अस्पताल लाया गया है। एक बाइक में सवार दो लोगों की पहचान रामलाल साकेत और गंगा साकेत निवासी ग्राम चौड़ियार थाना गुढ़ के रूप में हुई है। जबकि दूसरी बाइक में सवार युवक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

धारदार हथियार से रात में सोते समय बुजुर्ग की हत्या, पड़ोसी पर संदेह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के जवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेदुरा में एक बुजुर्ग की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। बुजुर्ग रात में अपने बिस्तर में सोए हुए थे, सोते समय बदमाशों ने बुजुर्ग पर कई वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया है कि मृतक राम खिलावन आदिवासी की तीन बेटियां ही हैं। उन्हीं में से एक बेटी और दामाद मृतक के साथ ही रहते थे। मृतक के नाती सुरेश आदिवासी ने बताया कि बुजुर्ग रात में खाना खाकर सोए हुए थे, बाकी लोग अपने कमरे में सो रहे थे। सुबह करीब 5 बजे जब बुजुर्ग को देखा तो वह खून से लथपत थे। शोरशराबा सुनकर आसपास के लोग भी पहुंच गए। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर जवा पुलिस पूरी टीम के साथ पहुंची। मृतक के नाती का आरोप है कि पड़ोसी आए दिन मारने की धमकियां दिया करता था, उन्हीं पर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस आरोपी के बारे में पता लगाने का प्रयास कर रही हैं।

मऊगंज में बोलेरो ने बाइक को मारी टक्कर, घायल युवक रीवा रेफर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले में नईगढ़ी थाना क्षेत्र के डिहिया गांव में सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। बोलेरो चालक ने एक बाइक को टक्कर मार दी। जानकारी के मुताबिक बाइक चालक विपिन साकेत वैवाहिक कार्यक्रम से मऊगंज लौट रहे थे। जबकि बोलेरो चालक नाग राजन, जो तमिलनाडु के नामकल जिले के निवासी हैं, प्रयागराज दर्शन के लिए जा रहे थे। तभी डिहिया गांव के पास कटरा मऊगंज मुख्य मार्ग पर हादसा हो गया। बोलेरो की टक्कर से विपिन के सिर और हाथ सहित पूरे शरीर में चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें गंभीर स्थिति के कारण संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर कर दिया। विपिन का आरोप है कि बोलेरो चालक तेज़ गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था। प्रधान आरक्षक रामकुमार ने बताया कि बोलेरो वाहन को थाने में खड़ा कर दिया गया है और वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

डाक विभाग में एजेंट चयन की तिथि 30 मई तक निर्धारित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय डाक विभाग में डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के व्यवसाय अर्जन के लिए डायरेक्ट सेल्स एजेन्ट के लिए साक्षात्कार आयोजित किये जा रहे हैं। अधीक्षक डाक संभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार साक्षात्कार 30 मई तक लिए जाएंगे। आवेदक सुबह 11.30 बजे अपने समस्त दस्तावेज के साथ कार्यालय अधीक्षक डाकघर सिरमौर चौक रीवा में उपस्थित हो सकते हैं। आवेदक जो 10वीं पास हो व कम्प्यूटर का ज्ञान हो वह इंटरव्यू में भाग ले सकते है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के योजनाओं की समीक्षा की

मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण के उपाय करने के निर्देश

गर्भवती महिला के समय पर पंजीयन न करने वालों पर कार्यवाही करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने स्वास्थ्य विभाग के योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इन पर नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करें। जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक निर्धारित प्रोटोकाल का कठोरता से पालन कराते हुए गर्भवती महिलाओं की जाँच और फालोअप करें। गर्भवती महिलाओं के समय पर पंजीयन न करने वाले आशा कार्यकर्ता पर कड़ी कार्यवाही करें। सभी बीएमओ टीकाकरण केन्द्र एवं प्रसव केन्द्र में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। विभागीय पोर्टल में महिलाओं के पंजीयन, टीकाकरण तथा अन्य जानकारियाँ बीएमओ सात दिवस में दर्ज कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हर माह की 9 और 25 तारीख को लगाए जाने वाले शिविरों में अनुपस्थित डॉक्टरों के विरूद्ध कार्यवाही करें। कलेक्टर ने बीएमओ गंगेव के विरूद्ध कार्यवाही करने तथा ग्राम धर्मपुरा की आशा कार्यकर्ता की सेवा समाप्त करने एवं एएनएम को निलंबित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी बीएमओ गर्भवती महिलाओं के पंजीयन तथा नियमित जाँच की हर सप्ताह समीक्षा करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। टीकाकरण केन्द्र में आवश्यक उपकरणों के साथ एएनएम तथा सीएचओ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। सीएचओ को सभी आठ सत्रों में उपस्थित रहने पर ही प्रोत्साहन राशि मंजूर करें। प्रत्येक मंगलवार तथा शुक्रवार को टीकाकरण करने के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं की जाँच एवं अन्य विभागीय गतिविधियों पर भी ध्यान दें। क्षेत्र का भ्रमण न करने वाले कर्मचारियों पर भी कड़ी कार्यवाही करें। बीएमओ टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और जाँच का उप स्वास्थ्य केन्द्रवार डाटा का विश्लेषण कर उसमें मिली कमियों को दूर करें। हाई रिस्क गर्भवती महिला की स्वास्थ्य की हर सप्ताह जानकारी लें। उसकी सभी प्रमुख जाँचे विकासखण्ड स्तर पर की जा सकती हैं। उसे रेफर करते समय जाँच और उपचार की पूरी रिपोर्ट आशा कार्यकर्ता के साथ भेजें। महिला के संबंध में जिला चिकित्सालय और मेडिकल कालेज को भी बीएमओ रेफर के समय ही सूचना दे दें जिससे महिला को तत्काल उपचार सुविधा मिल सके। पंजीकृत 71081 महिलाओं में से 16245 एनिमिक पाई गईं। इनमें से 1552 हाईरिस्क चिन्हित की गईं। हाई रिस्क महिलाओं में से केवल 476 को ही खून चढ़ाया गया। शेष महिलाओं का बीएमओ और जिला स्तर से फालोअप नहीं किया गया। इस स्थिति में सुधार करें।

कलेक्टर ने कहा कि सीएमएचओ वर्ष 2024-25 में अब तक हुई 52 गर्भवती और प्रसूता महिलाओं की मौत में प्रत्येक प्रकरण के कारण सहित रिपोर्ट दें, जिनमें मृत्यु के कारण का स्पष्ट उल्लेख करते हुए उत्तरदायी के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। जिन स्थानों में गर्भवती महिलाओं की जाँच की जाती है वहाँ डिजिटल थर्मामीटर, डिजिटल ग्लूकोमीटर, पल्स ऑक्सीमीटर, बीपी इन्स्ट्रूमेंट तथा अन्य आवश्यक उपकरण तत्काल उपलब्ध कराएं। हर माह 9 और 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जाँच की कारगर व्यवस्था करें। बीपीएम और बीपीओ के कार्यों की समीक्षा करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसी के आधार पर उनके अनुबंध का नवीनीकरण किया जाएगा। शिशुओं और गर्भवती महिलाओं का संपूर्ण टीकाकरण 92 प्रतिशत है, लेकिन तीन विकासखण्डों में प्रगति ठीक नहीं है। अतिरिक्त दल तैनात कर शत-प्रतिशत टीकाकरण कराएं। बैठक में कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केन्द्र में कुपोषित बच्चों की भर्ती, एसएनसीयू के भर्ती बच्चों के फालोअप तथा चाइल्ड डेथ रिपोर्ट के संबंध में निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि लक्षित गर्भवती में से

कलेक्टर की अध्यक्षता में 30 मई को बैठकें

रीवा. कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 30 मई को विभिन्न बैठकों का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट में सुबह 11 बजे से शिक्षकों के स्वत्वों के भुगतान के संबंध में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों की बैठक आहूत की गई है। इसी क्रम में दोपहर 12 बजे वर्षाकाल प्रारंभ होने से पूर्व जिले की सभी सड़कों की मरम्मत के संबंध में बैठक होगी जबकि शाम 4 बजे हिट एण्ड रन प्रकरणों की समीक्षा के उपरांत शाम 4.30 बजे आदिमजाति कल्याण विभाग से संबंधित अनुसूचित जाति एवं जनजाति के प्रकरणों में राहत राशि के आवंटन वितरण की समीक्षा की जायेगी।

मऊगंज में खनिज मद संबंधी बैठक 3 जून को

रीवा. मऊगंज के कलेक्ट्रेट सभागार में 3 जून का सुबह 10.45 बजे से जिला खनिज मद न्यास समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर मऊगंज संजय जैन करेंगे। इस संबंध में समिति के तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि बैठक में खनिज प्रतिष्ठान मद से प्रस्तावित कार्यों तथा वार्षिक कार्ययोजना पर विचार किया जाएगा। समिति के सभी सदस्यों और संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

मीडिएशन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन एवं विधिक साक्षरता शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन एवं सुधीर सिंह राठौड़ जिला न्यायाधीश के मुख्य आतिथ्य में ए.डी.आर भवन में मीडिएशन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि मीडिएशन में आपसी समझौते के माध्यम से मामलों का निराकरण होता है जिससे त्वरित गति से मामलों के निराकरण से न्यायालय में लंबित मुकदमों की सख्या घटती है वही दूसरी ओर दोनों पक्षों में संबंधो में मीठास उत्पन्न होती है और समाज में समरसता का वातावरण बनता है।

जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने मीडिएशन एवं लोक अदालत के विषय मे जानकारी देते हुये बताया कि मीडिएशन एवं लोक अदालत दोनों ही विवाद के निपटारों का वैकल्पिक समाधान है और इनमें कोई व्यय नही होता और विवाद का निपटारा आपसी समझौते से जल्दी हो जाता है। प्रशिक्षित अधिवक्ता मध्यस्थ राकेश मिश्रा, शिवकुमार तिवारी, अजीत सिंह, संजय निगम, दुर्गश निगम, रेवाशंकर अवस्थी, उमेश सिंह, ने भी अपने विचार व्यक्त किये। विधि छात्रा मुस्कान सिंह राठौड़ ने प्राचीनकाल में मीडिएशन के उदाहरण प्रस्तुत किये। कार्यकम का संचालन सु राज सिंह एवं आभार पुरुषोत्तम पाठक ने किया। इस अवसर पर लीगल एड डिफेन्स कोन्सिल के सुरेन्द्र सिंह, आनंद पाण्डेय, मंजूर अहमद अंसारी, आरती तिवारी, अनीश पाण्डेय एवं अधिवक्ता उमेश बहादुर सिंह, रामकृष्ण गौतम, दीपक गुप्ता, पैरालीगल वालेंटियर्स उमा सौंधिया, प्राची सिंह, साविर असलम, सुमित सिह, विधि छात्र राहुल सोनी उपस्थित रहे।

सतना में रात साढ़े तीन बजे मुक्तिधाम पहुंचे 7 संदिग्ध

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के नजीराबाद मुक्तिधाम में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब साढ़े 3 बजे एक संदिग्ध घटना सामने आई। दो कारों से 7 लोग मुक्तिधाम पहुंचे। इनमें 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल थीं। संदिग्धों ने चिता जलाने के स्थान पर करीब 25 मिनट तक पूजा की और दिए जलाए। मुक्तिधाम के पास रहने वाले लोगों को कार देखकर शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के आने से पहले ही सभी लोग वहां से फरार हो गए।

मुक्तिधाम के अघोरी बाबा के अनुसार, ये लोग बनारस से आए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अघोरी बाबा से पूछताछ की। पुलिस को आशंका है कि ये लोग तांत्रिक पूजा के लिए आए थे।

टीआई राघवेंद्र द्विवेदी ने बताया कि पुलिस आरोपियों की तलाश में मुक्तिधाम के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इससे पहले भी मुक्तिधाम में रात में घुसकर मूर्तियां खंडित करने के मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस ने मुक्तिधाम के बाबा को रात में गेट न खोलने की हिदायत दी है।

सदगुरु सेवा संघ के ट्रस्टी डॉ. बीके जैन पद्मश्री से सम्मानित

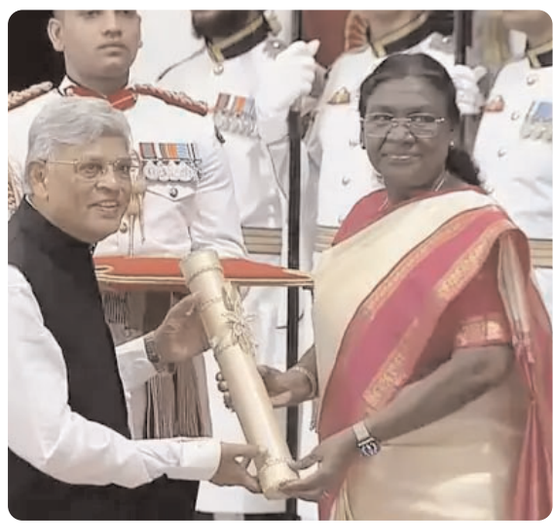

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को सदगुरु सेवा संघ जानकी कुण्ड (चित्रकूट) के ट्रस्टी एवं निदेशक डॉ. बीके जैन को पद्मश्री से सम्मानित किया। डॉ. जैन को यह सम्मान अंधत्व निवारण के क्षेत्र में पांच दशकों के योगदान के लिए मिला है।

डॉ. जैन ने 1970 के दशक में चित्रकूट में अपनी सेवाएं शुरू की थी। उनके प्रयासों से सदगुरु नेत्र चिकित्सालय ने अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाई है। यह अस्पताल विश्व के प्रमुख नेत्र चिकित्सा संस्थानों में शामिल है।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में संस्था के 130 प्राथमिक नेत्र जांच केंद्र हैं। हर साल 4 हजार 500 से भी ज्यादा सामुदायिक नेत्र शिविर लगाए जाते हैं। डॉ. जैन ने 5 जिलों को मोतियाबिंद बैकलॉग से मुक्त कराया है।

सदगुरु नेत्र चिकित्सालय में हर साल 1 लाख 55 हजार से ज्यादा आंख का ऑपरेशन किया जाता हैं। यहां वर्ल्ड का सबसे बड़ा ऑथ्थाल्मिक मॉड्यूलर ओटी है। अस्पताल में सालाना 17 लाख से ज्यादा मरीजों को नेत्र चिकित्सा सुविधाएं दी जाती हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।